जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 223 प्रभात बीकानेर, सोमवार 9 मार्च, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

## भारत तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड चैंपियन

*भारत ने न्यूज़ीलैंड को हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्डकप जीत लिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम बन गई है। पहली बार किसी मेज़बान टीम ने टी-20 वर्ल्डकप जीता है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को न्यूज़ीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला लिया। पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल में रिकॉर्ड 255 रन बनाए। संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर (89 रन) बनाया। ईशान किशन ने 54 और अभिषेक शर्मा ने 52 रन बनाए। आखिर में शिवम दुबे ने 8 गेंद पर 26 रन बनाए। न्यूज़ीलैंड के जिमी नीशम को 3 विकेट मिले। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट व अक्षर पटेल ने 3 विकेट हासिल किए। जसप्रीत बुमराह को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए ''मैन ऑफ द मैच'' व संजू सैमसन को ''मैन ऑफ द सीरीज'' चुना गया।*

## शंकराचार्य पर आरोप लगाने वाले आशुतोष महाराज पर हमला

प्रयागराज, 08 मार्च। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ कोर्ट में यौन उत्पीड़न का केस दाखिल करने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज पर जानलेवा हमला होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने अपने ऊपर चलती ट्रेन में हमले का आरोप लगाया है। आरोप है कि रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से प्रयागराज जाते वक्त जानलेवा हमला किया गया, शिकायत प्रयागराज में राजकीय रेलवे पुलिस को की गई ।

■ **उन्होंने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था।**

आशुतोष महाराज की तहरीर पर प्रयागराज के जीआरपी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस इस पूरी घटना की जांच में जुट गई है।

आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने आरोप लगाया है कि प्रयागराज आते समय उनपर फतेहपुर और कौशांबी जिले के सिराथू रेलवे स्टेशन के बीच हमला किया गया। आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया कि पांच बजे सुबह टॉयलेट जाते समय एक युवक ने उनके ऊपर हमला बोल दिया। किसी तरह आशुतोष

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## ईरान ने नया सुप्रीम लीडर चुना, औपचारिक घोषणा शीघ्र होगी

### चर्चा है कि खामनेई का पुत्र यह पद सम्भालेगा, पूर्व में अमेरिका व इज़रायल ने इस नाम पर आपत्ति जताई थी

तेहरान, 08 मार्च। ईरान में नया सुप्रीम लीडर कौन होगा यह तय हो गया है। हालांकि, अभी तक चयनित व्यक्ति के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। विभिन्न समाचार एजेंसियों ने इसकी जानकारी दी है। सुप्रीम लीडर चुनने वाली संस्था, असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने उम्मीदवार तय कर लिया है। संस्था के सदस्यों का दावा है कि बहुमत के आधार पर सबसे उपयुक्त उम्मीदवार को मंजूरी दी गई है।

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, एक्सपर्ट्स की असेंबली के सदस्य अहमद अलमोल्होदा ने कहा, ''लीडर का चयन हो चुका है।'' खुजेस्तान प्रांत का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य मोहसिन हेदरी ने ईरान की आईएसएनए न्यूज एजेंसी को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के बहुमत ने उम्मीदवार के नाम पर सहमति दे दी है। संस्था के एक अन्य सदस्य, मोहम्मद मेहदी मीरबाघेरी ने भी इसकी पुष्टि की है। फार्स न्यूज एजेंसी द्वारा जारी वीडियो में उन्होंने कहा कि बहुमत की राय को दर्शाने वाला स्पष्ट निर्णय लिया जा चुका है।

■ **ईरान की मेहर न्यूज़ एजेंसी के अनुसार असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने बहुमत से नये लीडर का चयन किया है तथा इसमें कोई अस्पष्टता नहीं है।**

फिलहाल, नए सुप्रीम लीडर के नाम की आधिकारिक घोषणा बाकी है, और इसके जल्द सामने आने की संभावना है। दूसरे सदस्यों ने इस फैसले को कन्फर्म किया है। एक ने कहा है कि मारे गए सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के बेटे यह पद संभालेंगे। मोजतबा खामेनेई को उनके पिता का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है। यह पद ईरान में सबसे बड़ा राजनीतिक और धार्मिक अधिकार है और देश के सभी मामलों में आखिरी फैसला इसी का होता है।

4 मार्च को जब मोजतबा का नाम सामने आया तो अमेरिका और इजरायल ने आपत्ति जताई थी। यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो यहां तक कहा कि अगला लीडर चुनने में उनकी भूमिका होनी चाहिए और उन्होंने मोजतबा को खारिज करते हुए उन्हें लाइटवेट कैंडिडेट करार दिया था। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने इस बात को साफ तौर पर खारिज कर दिया है कि उत्तराधिकारी चुनने में ट्रंप की कोई भूमिका होगी।

इजरायल ने तो यहां तक कहा कि वो खामेनेई के हर वारिस का अंजाम उनके जैसा ही करेगा। एक्स पर फारसी में एक पोस्ट की, जिसमें इजरायली सेना ने चेतावनी दी कि वह हर उस व्यक्ति को भी नहीं छोड़ेगी जो अयातुल्ला अली खामेनेई का वारिस नियुक्त करना चाहता है। आईडीएफ की पोस्ट में लिखा है, ''तानाशाह खामेनेई को बेअसर करने के बाद, ईरान का आतंकवादी शासन खुद को फिर से बनाने और एक नया लीडर चुनने की कोशिश कर रहा है।'' सेना ने चेतावनी दी, ''हम वारिस चुनने की मीटिंग में हिस्सा लेने वालों को चेतावनी देते हैं कि हम आपको भी निशाना बनाने में नहीं हिचकिचाएंगे।''

## ऊर्जा भंडारों पर हमला कर अमेरिका- इज़रायल ने खतरनाक चरण शुरु किया- ईरान

### ईरान का कहना है कि ईंधन भंडारों पर हमले से जहरीले पदार्थ व खतरनाक गैसें वातावरण में फैलेंगी

तेहरान/वॉशिंगटन, 10 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ईरान ने अमेरिका और इजरायल पर उसके ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरान के ऊर्जा भंडारों और ईंधन डिपो पर हुए हवाई हमले युद्ध के खतरनाक नए चरण की शुरुआत को दर्शाते हैं।

■ **अमेरिका ने कहा, यह हमला इज़रायल ने किया। इज़रायल ने कहा कि निशाना बनाये गए ईंधन डिपो का इस्तेमाल सैन्य अभियानों व बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में किया जा रहा था।**

बघाई ने कहा कि ईंधन भंडारों को निशाना बनाए जाने से जहरीले पदार्थ और खतरनाक गैसें वातावरण में फैल सकती हैं, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ सकता है। उनके अनुसार इस तरह के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं और इन्हें युद्ध अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है।

दूसरी ओर, इजराइली सेना के प्रवक्ता नादव शोशानी ने कहा कि जिन ईंधन डिपो को निशाना बनाया गया, उनका इस्तेमाल ईरान के सैन्य अभियानों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा रहा था। इसलिए उन्हें वैध सैन्य लक्ष्य माना गया।

वहीं अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि वह ईरान के ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाने की योजना नहीं बना रहा है। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि अमेरिका की ओर से ईरान के तेल या गैस उद्योग पर हमले की कोई योजना नहीं है और हाल के हमले इजराइल द्वारा किए गए हैं।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल उल्लंघन पर केन्द्र सरकार ने प.बंगाल से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 08 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे में प्रोटोकॉल फॉलो नहीं करने के मामले में केंद्र ने राज्य के मुख्य सचिव से रिपोर्ट मांगी है।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह सचिव ने चार बातें बताई हैं। राष्ट्रपति को

■ **केन्द्रीय गृह सचिव ने प.बंगाल के मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए कहा।**

रिसीव करने और विदा करने के लिए मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक क्यों मौजूद नहीं थे। राष्ट्रपति के लिए बनाए गए वॉशरूम में पानी नहीं था। प्रशासन ने जो रास्ता चुना था, वह कचरे से भरा था। दार्जिलिंग के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## इज़रायल ने बेरुत पर मिसाइलें दागीं, लेबनान कॉर्प्स के चार कमांडर मारे गए

### लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार यह हमला बेरुत के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र के एक होटल पर हुआ

तेहरान/बेरूत/तेल अवीव/वाशिंगटन, 08 मार्च। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग के नौवें दिन तक युद्ध की लपटें फारस के खाड़ी देशों तक पहुंच चुकी है। इज़राइल ने लेबनान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को मार गिराने का दावा किया है।

सीबीएस न्यूज, फॉक्स न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस जंग में अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान में ईरान को अब तक सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों समेत आला सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। युद्ध की लपटों से फारस की खाड़ी के देश झुलस रहे हैं। अमेरिका के भी छह सैन्य अफसरों की मौत हो चुकी है।

■ **इज़रायल डिफेन्स फोर्सेज़ ने कहा कि ईरान में हमलों की नई लहर शुरु की गई है, इसमें ईरान सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया गया है।**

इज़राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने आज सुबह कहा कि ईरान में हमलों की एक नई लहर शुरू की गई है। सेना ने ईरानी सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया है। आईडीएफ के उसके हमले के बाद ईरान से इजराइल की ओर मिसाइलें दागी गई हैं। देश की रक्षा प्रणाली (बहु-स्तरीय सुरक्षा कवच) इस खतरे को रोकने के लिए काम कर रही है।

आईडीएफ ने कहा कि ईरान पर हमले से कुछ देर पहले बेरूत में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागी गईं। इस हमले में चार कमांडर मारे गए।लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हमला बेरूत के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र में एक होटल पर हुआ। हमले में चार लोग मारे गए। मंत्रालय ने बयान में यह साफ नहीं किया कि मारे गए लोगों में कमांडर हैं या अन्य लोग।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के शीर्ष रक्षा अधिकारी अली लारीजानी की धमकी की परवाह नहीं करते। लारीजानी लंबे समय तक खामेनेई के भरोसेमंद रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि लारीजानी को मालूम होना चाहिए कि खामेनेई के मारे जाने के बाद ईरान पहले ही हार चुका है। ईरान की भलाई इसी बात पर है कि वह बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दे। उन्होंने कहा कि अब इराक के कुर्दों से अमेरिका को मदद की जरूरत नहीं है।

## यूजीसी नियमों के विरोध में हजारों सवर्णों ने प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, 08 मार्च। यूजीसी नियमों के खिलाफ रविवार को सवर्ण समाज दिल्ली की सड़कों पर उतरा। सवर्ण समुदाय के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी और उन्हें हाउस अरेस्ट करने के बाद भी बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर पहुंचे और यूजीसी नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त की।

युवाओं ने कहा कि सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिए जो सभी समाज और सभी वर्ग के हितों की रक्षा

■ **बड़े नेताओं की गिरफ्तारी के बावजूद बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा जंतर-मंतर व रामलीला मैदान पहुँचे।**

करे। युवाओं ने कहा कि नियम-कानून की आड़ में लगातार सामान्य वर्ग का उत्पीड़न होता रहा है, लेकिन अब बच्चों को कॉलेज स्तर पर भी प्रताड़ित करने की तैयारी की जा रही है। यह हर हाल में रुकना चाहिए।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जुटने के बाद उनकी पुलिस जवानों से जमकर कहासुनी हुई। रामलीला मैदान में भी जोरदार प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर दूर ले गई। सुरक्षा बलों का कहना था कि रविवार को यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी। लेकिन इसके बाद भी हजारों प्रदर्शनकारी रामलीला मैदान पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

## संसद सत्र का दूसरा चरण आज से

नई दिल्ली, 08 मार्च। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत के साथ कल ही लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव

■ **भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी व्हिप जारी किया।**

(नोटिस) पेश किया जाएगा। इस प्रस्ताव को सदन में विपक्षी सांसद मोहम्मद जावेद, के. सुरेश और डॉ. मल्लू रवि पेश करेंगे। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 9 और 10 मार्च के लिए व्हिप जारी किया है। वहीं, कांग्रेस ने सभी सांसदों को 9-11 मार्च तक सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है।

पिछले महीने बजट सत्र के पहले चरण के दौरान विपक्ष ने लोकसभा के महासचिव को अविश्वास प्रस्ताव

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा है राष्ट्रीय राजधानी का विकास - मोदी

### प्रधानमंत्री ने दिल्ली की 33,500 करोड़ रु. की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

नई दिल्ली, 08 मार्च (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का विकास केवल एक शहर का विकास नहीं है बल्कि पूरे देश की छवि और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। राजधानी जितनी आधुनिक, सुव्यवस्थित और बेहतर कनेक्टिविटी वाली होगी, उतना ही भारत का आत्मविश्वास और वैश्विक पहचान मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज यहां बुराड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम में लगभग 33,500 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से दिल्ली के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी, यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली को आधुनिक और विकसित शहर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, परिवहन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और आवासीय ढांचे के विकास के माध्यम से राजधानी को नई दिशा दी जा रही है। आज जिन परियोजनाओं की शुरुआत की गई है, उनमें दिल्ली मेट्रो के नए कॉरिडोर, मेट्रो विस्तार योजनाएं तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवासीय परिसरों का निर्माण शामिल है।

उन्होंने कहा कि मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से राजधानी में कनेक्टिविटी और मजबूत होगी तथा लाखों लोगों को रोजमर्रा के जीवन में बड़ी सुविधा

■ **प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज प्रारंभ की गई परियोजनाएं दिल्ली मैट्रो के नए कॉरिडोर व विस्तार तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवास से जुड़ी हैं।**

■ **प्रधानमंत्री ने कहा कि अब पूर्वी व उत्तर पूर्वी दिल्ली के निवासियों के लिए दैनिक आवागमन पहले से अधिक आसान हो जायेगा।**

मिलेगी। विशेष रूप से पूर्वी और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के निवासियों के लिए दैनिक आवागमन पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों-गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम से दिल्ली के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचना अधिक सुविधाजनक बनेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली में बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति मिली है और कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि एक वर्ष पहले दिल्ली के लोगों ने नई उम्मीद और संकल्प के साथ डबल इंजन की सरकार बनाई थी और उसके परिणाम आज विकास कार्यों के रूप में दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नारी शक्ति आज हर क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है। राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, खेल और समाज सेवा सहित अनेक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व लगातार मजबूत हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के निर्माण से लाखों वाहन अब शहर में प्रवेश किए बिना ही अपने गंतव्य तक पहुंच पा रहे हैं, जिससे राजधानी में ट्रैफिक का दबाव कम हुआ है।

प्रधानमंत्री ने यमुना नदी के पुनर्जीवन के लिए चलाए जा रहे अभियान का भी उल्लेख किया और कहा कि यमुना को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने के लिए बड़े पैमाने पर परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इस दिशा में करोड़ों रुपये के कार्य पहले ही शुरू किए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली में कई आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं। आयुष्मान भारत योजना लागू होने से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को मुफ्त उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम से पहले उन्होंने सरोजिनी नगर में सरकारी कर्मचारियों के लिए बनाए गए आधुनिक आवासीय परिसरों का दौरा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

# भारत का युवा: अवसर की खिड़की या बेचैनी का विस्फोट?

भारत को अक्सर दुनिया का सबसे युवा देश कहा जाता है। यह वाक्य हमारे सार्वजनिक जीवन में एक ऐसे मंत्र की तरह दोहराया जाता है मानो इससे अपने आप हमारा भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन केवल युवा आबादी होना किसी देश की सफलता की गारंटी नहीं होता। इतिहास में ऐसे कई समाज हुए हैं जिनके पास युवा ऊर्जा तो बहुत थी, पर दिशा नहीं थी–और तब वही ऊर्जा बेचैनी और असंतोष में बदल गई।

आज भारत भी लगभग उसी दोराहे पर खड़ा दिखाई देता है।

भारत की लगभग पैंसठ प्रतिशत आबादीपैंतीसवर्ष से कम आयु की है और लगभग पचास प्रतिशत आबादी पच्चीस वर्ष से कम आयु की है। यह भी कि भारत में कामकाजी आबादी 2044 तक बढ़ती रहेगी। अर्थशास्त्री इसे डेमोग्राफिकडिविडेंड यानी जनसांख्यिकीय लाभांश कहते हैं। सरल शब्दों में इसका अर्थ यह है कि यदि बडी संख्या में युवा काम करने की स्थिति में हों, तो वे किसी भी अर्थव्यवस्था को तीव्र गति से आगे बढ़ा सकते हैं। लेकिन ग़ौर तलब बात यह है कि यह लाभांश किसी बैंक खाते की तरह अपने आप नहीं मिलता। उसके लिए शिक्षा, कौशल और रोजगार की ऐसी व्यवस्था वांछित होती है जो इस ऊर्जा को उत्पादक शक्ति में बदल सके। उल्लेखनीय है कि हम हर साल सात–आठ मिलियन नए रोज़गार सृजित करेंगे तभी हमारी युवा आबादी बारोज़गार होगी। यहीं यह भी याद कर लिया जाए कि वर्ष 2025 के आंकड़ों के अनुसार हमारे देश में 15–29 वर्ष के युवाओं में बेरोज़गारी की दर 13.8 प्रतिशत है। अंतरराष्ट्रीय अनुमान यह दर 16 प्रतिशत बताते हैं।

यहीं से भारत की कहानी थोड़ी जटिल हो जाती है। देखा जाना चाहिए कि क्या हम इतनी बड़ी आबादी को रोज़गार देने की स्थिति में हैं? क्या हम इस राह पर हैं? क्या हम इस राह पर थोड़ा भी आगे बढ़े हैं?

पिछले दो दशकों में भारत में शिक्षा का विस्तार अभूतपूर्व रहा है। अगर मैं हमारे प्रधानमंत्री जी द्वारा दिए गए उस वक्तव्य को याद न भी करूं जिसमें उन्होंने देश में हर रोज़ नए कॉलेज और हर सप्ताह नया विश्वविद्यालय खुलने की बात कही थी, यह एक यथार्थ है कि छोटे कस्बों तक कॉलेज पहुँच गए हैं, विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है और हर साल लाखों छात्र वहां से डिग्रियाँ लेकर निकल रहे हैं। यह संख्यात्मक विस्तार हमें आह्लादित करता है। लेकिन इस विस्तार के साथ एक विचित्र विडंबना भी पैदा हुई है–डिठियों की संख्या तो बढ़ी है, पर उन डिग्रियों की गुणवत्ता प्रश्नों के घेरे में क़ैद है। जब भी दुनिया के श्रेष्ठ शैक्षिक संस्थानों की कोई सूची निकलती है, हम उस सूची में अपने देश के संस्थानों के नाम ढूंढते रह जाते हैं। और चलिए कोई बात नहीं कि हमारे शैक्षिक संस्थान दुनिया के श्रेष्ठतम में शुमार नहीं हैं, दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इनमें से अधिकांश बदहाली के दौर से गुज़र रहे हैं। इनके पास न तो पर्याप्त शिक्षक हैं, न पुस्तकालय और न ऐसा सोच जो इनमें दी जा रही शिक्षा को प्रासंगिक बनाए रखे और यहां से डिग्री पाकर बाहर निकलने वाले युवाओं को रोज़गार दिला सके। विभिन्न आकलनों के अनुसार भारत के लगभग इक्यावन प्रतिशत स्नातक ही रोज़गार पाने की काबिलियत रखते हैं। मतलब बहुत साफ़ है। हमारे करीब आधे स्नातक तो रोज़गार पाने के काबिल ही नहीं हैं। कोढ़ में खाज यह कि रोज़गार के अवसरों की दुनिया भी अपेक्षित तेज़ी से नहीं फैली है। परिणाम यह कि आज भारत में लाखों ऐसे युवा हैं जिनके पास डिग्री तो है, पर नौकरी नहीं है। और न वे इस काबिल हैं कि कोई उन्हें नौकरी दे। यह स्थिति केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह एक सामाजिक मनोदशा भी पैदा करती है।

जब पढ़ा–लिखा युवा अपने भविष्य को अनिश्चित देखता है, तो उसके भीतर धीरे–धीरे एक मौन असंतोष जमा होने लगता है। इस असंतोष का एक अनोखा दृश्य देश के प्रतियोगी परीक्षा केंद्रों में दिखाई देता है। रेलवे, बैंक, राज्य सेवा, केंद्रीय सेवा–हर परीक्षा में लाखों उम्मीदवार शामिल होते हैं। एक पद के लिए सैकड़ों या हजारों उम्मीदवारों की भीड़ खड़ी रहती है। जितनी योग्यता किसी पद विशेष के लिए अपेक्षित होती है उससे बहुत ज़्यादा योग्यता वाले युवा भी उस पद के आकांक्षी होते हैं। अगर ऐसे किसी युवा को वह नौकरी मिल भी जाती है तो वह कुण्ठित रहता है कि उसके पास अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरी नहीं है। इसके अलावा परीक्षा होती है, परिणाम आता है, फिर किसी कारण से प्रक्रिया रुक जाती है, फिर नई परीक्षा की घोषणा होती है। इस बीच वर्षों बीत जाते हैं। इस पूरी व्यवस्था ने भारतीय समाज में एक नया वर्ग पैदा कर दिया है–परीक्षा–जीवी युवा। देश के कई शहर–कोटा, प्रयागराज, पटना, दिल्ली का मुखर्जी नगर–आज ऐसे युवाओं की प्रतीक्षा और परिश्रम के अजीब मिश्रण से भरे हुए हैं। उनकी ज़िंदगी का सबसे ऊर्जावान समय एक अनिश्चित प्रतीक्षा में गुजर जाता है।

**तकनीक, डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं के लिए कुछ नई राहें भी खोली हैं। कई युवा उद्यमियों ने अपनी कल्पना और साहस से नए उद्योग खड़े किए हैं।भारत जैसे विशाल समाज में करोड़ों युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने के लिए इससे कहीं व्यापक और गहरी व्यवस्था की आवश्यकता है। हमारे युवा अभी भी कामकाज के नए क्षेत्रों से अनभिज्ञ हैं।**

इस पूरी कहानी में एक नया अध्याय डिजिटल क्रांति ने जोड़ दिया है।

आज का युवा पहले की किसी भी पीढ़ी से अधिक जागरूक है। उसके हाथ में स्मार्टफोन है और उसकी आँखों के सामने पूरी दुनिया है। वह देखता है कि दुनिया के दूसरे देशों में उसके समकालीन किस तरह अवसर पा रहे हैं, किस तरह अपने सपनों को आकार दे रहे हैं। यह तुलना स्वाभाविक रूप से आकांक्षाएँ बढ़ाती है। लेकिन जब आकांक्षाएँ तेज़ी से बढ़ें और अवसर धीमी गति से आएँ, तो बेचैनी पैदा होना लगभग अपरिहार्य हो जाता है।

राजनीति में भी युवाओं का नाम बहुत लिया जाता है। छात्र संघ चुनावों को युवाओं के लिए राजनीति के प्रवेश द्वार के रूप में प्रचारित किया जाता है। हर चुनाव में यह घोषणा सुनाई देती है कि युवा देश का भविष्य हैं। लेकिन यह भविष्य अक्सर भाषणों में ही दिखाई देता है। निर्णय लेने की वास्तविक संस्थाओं में युवाओं की भागीदारी भी सीमित ही है। युवाओं की ऊर्जा का उपयोग अधिकतर चुनावी प्रचार, सोशल मीडिया अभियानों या नारेबाज़ी में दिखाई देता है।

लेकिन यह भी सच है कि पूरी तस्वीर निराशा से भरी नहीं है।

तकनीक, डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं के लिए कुछ नई राहें भी खोली हैं। कई युवा उद्यिमयों ने अपनी कल्पना और साहस से नए उद्योग खड़े किए हैं। लेकिन यह भी सच है कि ऐसे अवसर अभी भी सीमित दायरे में केंद्रित हैं। भारत जैसे विशाल समाज में करोड़ों युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने के लिए इससे कहीं व्यापक और गहरी व्यवस्था की आवश्यकता है। हमारे युवा अभी भी कामकाज के नए क्षेत्रों से अनभिज्ञ हैं। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों का पनपना यह बताता है कि युवा अभी भी मेडिकल और इंजीनियरिंग से आगे नहीं सोच पा रहे हैं। मां–बाप के सपने भी सीमित हैं। हम ऐसा कोई तंत्र विकसित नहीं कर पाए हैं जो युवाओं को यह बता सके कि उनके सामने रोज़गार के अपरिमित मौके हैं, बशर्ते वे उसके लिए तैयार हों।

तो फिर सवाल वही है कि क्या भारत अपनी युवा आबादी को केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि मानकर संतुष्ट हो जाएगा, या उसे एक रचनात्मक शक्ति में बदलने का साहस करेगा? इसके लिए सबसे पहले शिक्षा को डिग्री उत्पादन की फैक्टरी बनने से रोकना होगा और उसे कौशल, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच से जोड़ना होगा। हमें प्रारम्भ से ही अपने युवाओं को इस बात के लिए तैयार करना होगा कि उन्हें अपनी आजीविका के लिए नए–नए अवसर खोजने हैं। सरकारी नौकरी हरेक को नहीं मिल सकती है।

दूसरा, रोजगार सृजन को नीति का केंद्रीय लक्ष्य बनाना होगा–केवल सरकारी नौकरियों के भरोसे नहीं, बल्कि उद्योग, सेवा क्षेत्र और उद्यमिता के विस्तार के माध्यम से। सबसे अहम बात यह कि हमें अपनी प्रारम्भिक शिक्षा व्यवस्था में ही यह सोच शामिल करना होगा कि कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता है, और आप काम कहीं भी करें, उसमें निष्ठा और दक्षता ज़रूरी है। जब तक समाज में श्रम की महत्ता स्थापित नहीं होगी, हमारी समस्या बनी रहेगी।

और तीसरा, युवाओं को केवल भविष्य का नागरिक मानकर प्रतीक्षा में नहीं रखा जा सकता। उन्हें वर्तमान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वास्तविक भागीदारी देनी होगी।

इतिहास में हर वह समाज आगे बढ़ा है जिसने अपनी युवा ऊर्जा को अवसर में बदलने की कला सीखी है।

भारत के सामने प्रश्न बहुत सीधा है, पर उसका उत्तर अत्यंत कठिन! क्या यह देश अपनी युवा शक्ति को भविष्य की सबसे बड़ी ताकत बना पाएगा,या वह अनजाने में एक बेचैन पीढ़ी तैयार कर रहा है?

सच यह है कि भारत की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा आबादी है, लेकिन वही उसकी सबसे बड़ी परीक्षा भी है। युवा केवल संख्या नहीं होते, वे सपनों, आकांक्षाओं और अधीर उम्मीदों का संसार होते हैं। यदि उन सपनों को रास्ता मिलता है तो वही पीढ़ी राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताक़त बन जाती है; लेकिन यदि वे लगातार टलते रहें, तो वही ऊर्जा बेचैनी और असंतोष का रूप भी ले सकती है। इसलिए भारत के सामने असली प्रश्न जनसंख्या का नहीं, भविष्य का है–क्या यह देश अपनी युवा शक्ति को अवसर में बदलेगा, या उसे निराशा के हवाले कर देगा।

**–अतिथि संपादक,**
**डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,**
**( शिक्षाविद और साहित्यकार )**

# भारत अमेरिका व्यापार समझौता – आम आदमी, किसान, मजदूर की दृष्टि से

महावीर सिंह

भारत अमेरिका के बीच व्यापार समझौता यद्यपि पूरी तरह से अभी सामने नहीं आया किंतु मोटी सहमति जो मीडिया में, भारत के वो अमरीका के संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों ने साझा की है उस पर आधारित है यह लेख।

इस ट्रेड डील का अर्थ यों समझे कि अमेरिका भारत में कौन कौन सा सामान भेज पाएगा और भारत में प्रवेश पर उन वस्तुओं पर क्या टैक्स अर्थात टैरिफ लगेगा और भारत अमेरिकी बाजार में क्या उत्पाद किन टैक्स दरों पर बेच पाएगा।

इस समझौते का कई महीनों से इंतजार था, सब को, यानी सरकार, भारतीय उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों व दूसरे देशों को अपने अपने कारणों से इंतजार था। सरकार को भी इंतजार था और गैर सत्ता वाले राजनीतिक दलों को भी। सरकार को अपनी वाही वाही करवाने के लिए और विपक्षियों को सरकार की बखिया उधेड़ने के लिए। दूसरे देश इस बात का आंकलन करेंगे को उनके यहां के कौन कौन से उत्पादों पर भारतीय बाजार में प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और भारत से इस सिनेरियो में क्या माल आयात करना मुफीद रहेगा। भारत का किसान और दिहाड़ी मजदूर भी इसका इंतजार कर रहा था कि उसके दिन सही चलेंगे या उल्टे।

प्रथम दृष्टि में सरकार के अनुसार यह भारत के पक्ष में सर्वकालिक बढ़िया डील है और अमेरिका भी वाही वाही लूट रहा है अपने देश में और मुख्यत इस बात के लिए कि अमेरिका के किसानों और कृषि उत्पादों को भारत का 140 करोड़ उपभोक्ताओं वाला बाजार बिना टैरिफ के या न के बराबर टैरिफ पर। भारत के कृषि मंत्री, वाणिज्य मंत्री व दूसरे आला लोगों का कहना है कि भारत के किसानों के हितों कोई प्रतिकूल प्रभाव न तो पड़ेगा और न पड़ने देंगे। वैसे सोचने वाली बात यह है कि इस से अलग वे कह भी क्या सकते हैं? मंत्रियों की मजबूरी होती है सरकार के फैसलों का ढोल बजाना।

आओ,कुछ मोटी मोटी बातों पर विचार करें। इस डील की भारतीय उद्योग संघ, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स और इंडस्ट्रीज यानी फिक्की में प्रतिक्रियाएं दी है । फिक्की के अनुसार शुल्क कम होंगे, रेगुलेटरी अड़चनें कम होंगी, नए अवसर खुलेंगे। उद्योग संघ का कहना है इस डील में नीतिगत तालमेल, नियम आधारित व्यापार के प्रति साझा प्रतिबद्धता है और विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। अधिकतर व्यापारिक व औद्योगिक संगठनों के द्वारा ऐसी प्रतिक्रियाएं देना आम बात है। आम लोग कहते है, इन संगठनों के पास ज्यादा कुछ कहने की कोई फ्रीडम भी नहीं होती। लेकिन यह बात भी सही है कि यह संगठन लगातार सरकार की नीतियों और व्यापार उद्योग पर उनके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों की समीक्षा करते रहते है। इनके पास विस्तृत रूप से अनुसंधान करते रहने के लिए सारी आधारभूत सुविधाएं होती है। सरकारें इन की बातों पर ध्यान देती है क्योंकि अन्य ओर महत्वपूर्ण कारणों के अतिरिक्त सरकार से इनके डेटा आधारित वार्तालाप के कारण भी। किसानों व मजदूरों के कोई इस प्रकार के सशक्त संगठन नहीं जो लगातार सरकारी नीतियों पर विचार–विमर्श, अनुसंधान करके सरकारों को सावचेत करते रहें कि क्या उनके हित में, क्या अहित में है।

मैंने एक फार्मा सेक्टर के सेवा निवृत्त अधिकारी से यह जानना चाह कि अमेरिका में निर्यात होने वाली दवाओं पर 0 टैरिफ से इस सेक्टर को तो बहुत लाभ होगा। उनका कथन था यूएसए का फार्म सेक्टर पूर्णत: तबाह है, अमेरिका की मजबूरी है 0 टैरिफ पर भारतीय दवाइयों का आयात करना।अब भी 0 तारीफ पर ही आयात कर रहा है।कुछ समय के लिए कुछ डंडा दिखाने का प्रयास किया था किंतु चला नहीं। इसलिए इसमें कोई वाही वाही वाली बात नहीं है। ज्वेलरी व कीमती स्टोंस के बड़े व्यापारी से भी पूछा कि आप लोगों की तो बल्ले बल्ले है इस नई डील में।

उनका कहना था वैसे तो अधिकतर बड़े निर्यातकों ने 25 –50 प्रतिशत टैरिफ की काट निकाल ली थी। अपने दफ्तर ऐसे देशों में जहां पर इन चीजों पर कम शुल्क था, वहां स्थापित कर लिए थे और वहां से यूएसए में सामान भेजने पर, टैरिफ का असर बहुत कम हो जाता था। अब सब काम जीरो टैक्स पर यहीं से 100 प्रतिशत सही–सही होगा। फिर कुछ, रिलीफ तो है ही। ओर बहुत से आइटम्स है जिन पर 25–50 प्रतिशत के बजाए 18 प्रतिशत टैरिफ लगने से सुविधा तो होगी जैसे चमड़े का सामान, रेडीमेड कपड़े, आदि उद्योगों, व्यापारियों को।इन सेक्टर्स में कुछ रोजगार जो पहले कम हुए, पुन: खुल सकते है।

आइए, अब जरा कृषि सेक्टर पर भी बात कर लें।

भारत सरकार की अब तक की नीति रही है कि भारत के कृषि सेक्टर को निर्बाध आयात के लिए नहीं खोला जाएगा। यद्यिप 18 अगस्त 2025 से 31 दिसंबर 2025 की समयावधि में अमेरिकन कपास को 0 प्रतिशत आयात शुल्क पर भारत में आने की इजाजत इस डील से पहले दी थी किंतु अब इस डील से पहले वाला टैरिफ 11 प्रतिशत भारत वसूल कर रहा था।

**■ इस समझौते से भारतीय कृषि उत्पादों (जैसे मसाले, चाय, कॉफी, नारियल तेल) पर अमेरिकी टैरिफ कम होगा, जिससे कुछ, अत्यंत सीमित संख्या में, किसानों को फायदा हो सकता है। यद्यपि सरकार दवा कर रही है कि आयात कोटा आधारित होगा अर्थात केवल एक निश्चित मात्रा तक ही आयात होगा**

इस नई डील से अमेरिकन लंबे रेशे वाली कपास की एक निश्चित मात्रा में अत्यंत कम अथवा जीरो ड्यूटी पर आयात की संभावना है। इसका भारतीय कपास के बाजार मूल्य पर क्या प्रतिकूल प्रभाव होगा,यह आने वाला समय बताएगा किंतु सोचने वाली बात यह भी है कि क्या लंबी अवधि में भारतीय कपास का यह अमेरिकन कपास का स्थान तो नहीं ले लेगा?

आमतोर पर यह माना जा रहा है कि वस्त्र उद्योग जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला है,उस पर निश्चित ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा क्योंकि यूएस–बांग्लादेश डील में कुछ टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स (खासकर यूएस कॉटन से बने) पर जीरो या बहुत कम टैरिफ है और भारत पर 18 प्रतिशत टैरिफ रह गया। इससे 100 प्रतिशत कॉटन प्रोडक्ट्स में भारत की प्रतिस्पर्धा कमजोर पड़ सकती है।बांग्लादेश अब न्यूनतम टैरिफ पर यूएस कॉटन इंपोर्ट करके सस्ते प्रोडक्ट्स बना सकता है, जिससे भारतीय कॉटन यार्न एक्सपोर्ट्स (बांग्लादेश को) घट सकते हैं।

भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के अनुसार अमेरिकी सोयाबीन तेल पर भारत आयात शुल्क (टैरिफ) को पूरी तरह खत्म या कम करने पर सहमत हुआ है। इस समझौते से भारत में सोयाबीन तेल जीरो प्रतिशत ड्यूटी पर भारत में आ सकेगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है और सोयाबीन तेल इसका बड़ा हिस्सा है। इसका प्रभाव नकारात्मक और सकारात्मक दोनों हो सकते है । वर्तमान में क्रूड सोयाबीन तेल पर 16.5 प्रतिशत से 45 प्रतिशत तक ड्यूटी है । समझौते में इसे जीरो या कम करने की बात है। सरकारी कहना है कि यह आयात टैरिफ–रेट कोटा (टीआरक्यू) के तहत होगा, यानी एक निश्चित मात्रा तक ही छूट होगी, उसके बाद नॉर्मल ड्यूटी।

सोयाबीन तेल को समझौते में शामिल करने से अमेरिकी किसानों को तो निश्चित ही फायदा है लेकिन भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। 2024–25 में अमेरिकी सोयाबीन तेल निर्यात में 304 प्रतिशत वृद्धि हुई है। समझौते से यह और बढ़ेगा, जो घरेलू उत्पादन को प्रभावित करेगा।

भारत के बाजार में सोयाबीन के भाव गिर सकते है। इस दृष्टि से किसानों पर सकारात्मक प्रभाव सीमित हैं और नुकसान की भी संभावना है।

सरकारी मानना है कि इस से उपभोक्ताओं और इंडस्ट्री को फायदा, अप्रत्यक्ष रूप से किसानों को भी। सस्ता आयातित सोयाबीन तेल से खाद्य तेल की कीमतें कम होंगी। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स इंडस्ट्री को सस्ता कच्चा माल मिल सकता है, रोजगार बढ़ सकता है।

समझौते में पोल्ट्री और पशुपालन सेक्टर से संबंधी बातों में, अमरीका को डीडीजीएस (डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स) और ज्वार जैसे पशु चारे पर भी 0 प्रतिशत अथवा कम टैरिफ पर निर्यात की छूट मिलनी है । माना कि अगर सस्ते पशु आहार से पशुपालन सस्ता होता है, तो डेयरी किसानों को फायदा हो सकता है। सोयाबीन से तेल निकालने के बाद बचा सोया मील पशुओं के लिए,मुर्गी पालन के लिए, फिशरीज के लिए अत्यंत पौष्टिक फीड माना जाता है।इस से सोयाबीन किसान को सोय मील बेचने का वैकल्पिक बाजार मिल सकता है, ऐसा सरकारी दृष्टि कोण है किंतु किसान जानते है यह सोया मील फैक्ट्री वाला ही बेचता है। किसान को शायद इस से कोई फायदा हो, ऐसा मेरा मानना है।

अमेरिका में सोयाबीन मुख्य रूप से जीएम है, और किसान संगठनों का कहना है कि आयात से जीएम उत्पाद भारत में घुस सकते हैं, जो स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए जोखिम है। भारत में जीएम फसलों पर प्रतिबंध है।

इस समझौते से भारतीय कृषि उत्पादों (जैसे मसाले, चाय, कॉफी, नारियल तेल) पर अमेरिकी टैरिफ कम होगा, जिससे कुछ, अत्यंत सीमित संख्या में, किसानों को फायदा हो सकता है। यद्यपि सरकार दवा कर रही है कि आयात कोटा आधारित होगा अर्थात केवल एक निश्चित मात्रा तक ही आयात होगा। कोई भी आइटम जो भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचाए, वह समझौते में शामिल नहीं है। संवेदनशील उत्पादों जैसे डेयरी, मांस, मक्का, सोयाबीन (पूरा बीज), जीएम फसलें पर कोई छूट नहीं। सरकार का दावा है कि कृषि, डेयरी आदि उत्पादों का निर्यात बढ़ने से किसानों को फायदा देगा। किंतु यदि इनका अनलिमिटेड आयात होगा है तो किसानों को फसलें बदलनी पड़ सकती है। नुकसान भी होगा।

आरएसएस से जुड़े भारतीय किसान संघ (बीकेएस), एसकेएम, ऑल इंडिया किसान सभा ने विरोध किया। उनके अनुसार यह समझौता “अमेरिकी दबाव में आत्मसमर्पण” है, और लाखों किसानों की आजीविका खतरे में है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने इसे 'धोखा' कहा, और कहा कि यह सोयाबीन, मक्का, कपास आदि पर प्रभाव डालेगा। पहले से ही कम एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) और बाजार अस्थिरता से परेशान किसान ओर प्रभावित होंगे।

कुल मिलाकर नकारात्मक प्रभाव ज्यादा लगते है, क्योंकि बढ़ते आयात से भारत में कृषि उत्पादों की कीमतें गिर सकती हैं। किसानों की आय प्रभावित होगी। लेकिन अगर सख्ती से लागू होता है, तो नुकसान सीमित रह सकता है। सरकार को बढ़ाने, फसल विविधीकरण और किसान सहायता की जरूरत होगी।

ओर आइए इस डील के उन भागों पर भी थोड़ी चर्चा करलें जो बेहद आपत्ति जनक लगते है ---

गत वर्ष तक भारत की वस्तुओं का अमेरिका में टैरिफ 3.3 प्रतिशत था यूएस ने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया और अब कुछ शर्तों के साथ 18 प्रतिशत कर दिया!

यह कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा, यद्यपि अभी सरकार की ओर से स्पष्टता का अभाव है।अमेरिका को यह अधिकार कैसे हो सकता कि वह यह तय करे के भारत किस से क्या खरीदेगा और किस से नहीं???? आज रूस, कल कोई ओर देश के लिए, अन्य किसी वस्तु के लिए ऐसा फरमान जारी होने का क्या अर्थ समझें?? रूस और ईरान से तेल नहीं खरीदने का अर्थ मोटे तौर पर 1 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार!!!!!

यह कि अमेरिका के एक मंत्रियों अधिकारियों का समूह लगातार यह समीक्षा करेगा कि भारत समझौते का पालना कर रहा है या नहीं?? माना यह अधिकार है किसी भी देश को है कि वह अपने देश हित में समझौतों की सही सही पालना सुनिश्चित करावे किंतु किसी समझौते में लिखना कतई उचित नहीं।यह एक धमकी जैसा है, किसी भी समय कोई भी आधार बनाकर डील निरस्त करने और मन मर्जी के टैरिफ फिर लगाने की ।

ओर यह भी कि सामान्यत इस प्रकार की ज्वाइंट घोषणाएं दो देशों के मंत्री या आला अधिकारियों की उपस्थिति में होते है। इसकी घोषणा पहले यूएसए ने की फिर भारत के वाणिज्य मंत्री में प्रेस कॉफ्रेंस में इसके बारे में बताया। ऐसा कम ही सुना गया था, होंगे इसके भी कारण सरकार के पास। खैर हर आदमी की अपनी अपनी सोच किंतु यह जो कि भारत द्वारा किस देश से क्या खरीदा जाएगा, क्या नहीं, इसका फैसला दूसरा देश लेगा तो यह हमारी संप्रभुता पर सीधा सीधा प्रहार है। नव उपनिवेशवाद शुरू, नहीं???

**–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस**

# “हे विश्व के मानवों ! राष्ट्रवादी और फासिस्ट दृष्टिकोण के शासकों से सावधान !!”

मदन सिंह काला

वर्तमान युग वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी का है। पुराने वैज्ञानिक अनुसंधान गलत सिद्ध हो रहे हैं और नित नये अनुसंधान हो रहे हैं। आदमी की मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मानव मस्तिष्क प्राकृतिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए यथा हवा, पानी आदि भौतिक संसाधनों के उपयोग की दिशा में तेजी से चौकाने वाले अनुसंधान करने में संलग्न है। राजनैतिक लोग अपने ही राष्ट्र को महान सिद्ध करने के सिद्धांत राष्ट्रवाद के नाम पर अपने लोगों को राष्ट्र पर न्यौछावर कर देने का माहौल बनाते हैं। इस हेतु वे प्राचीन वैश्विक विधाओं यथा युद्ध, धर्म और बीमारी से उत्पन्न परिस्थितियों में अपने राष्ट्र को श्रेष्ठतम सिद्ध करने के वक्तव्य देते हैं। जनता को राष्ट्रवाद की आग में झोंककर अपने व्यक्तिगत हितों को साधने का प्रयास करते हैं। जबकि वर्तमान वैज्ञानिक युग में हम आमजनों को यह समझ आ जाना चाहिए कि यह दुनिया इस तरह की क्यों बनी हुई है।

युद्ध शांति के बारे में नहीं है – यह एक व्यवसाय है। सरकारें इस हेतु भारी मात्रा में जनता से वसूले टेक्स के धन का दुरुपयोग करते हैं। युद्ध सामग्री अनेक देशों की कंपनियां सप्लाई करती हैं। मीडिया युद्ध भेरी बजाकर शांतिप्रिय जनता को भी जोश में ले आता है। और युद्ध में राष्ट्रवाद के नाम पर सैनिक मारे जाते हैं। लड़ाकू देशों की कंपनियों को भारी आर्थिक लाभ होता है जबकि देश खून से लथपथ हो रहा होता है। इस प्रकार हर युद्ध शासनाधिकारियों के लिए एक लाभकारी अवसर बन जाता है।

धर्म हमेशा गॉड के बारे में नहीं होता है। इसके द्वारा डर पैदा किया जाकर लोगों को मानसिक रोगी बनाया जाता है। उन मानसिक रोगियों से जीवन को सुखद एवं सुरक्षित बनाने का चमत्कार गठित करवाने का स्वप्न दिखाकर, राजनैतिक संरक्षण प्राप्त धार्मिक लोग उन मासूम लोगों से उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा उन्हें मजबूर कर हड़प लिया जाता है। इससे लोगों को गरीबी के जाल में फंसाकर वे धार्मिक नेता अपने विशाल इम्पायर बना रहे हैं। इस प्रकार धार्मिकता की अपुष्ट धारणाएं साधारण बुद्धि के लोगों को धर्मभीरू बनाये रखने में सफल हो जाती हैं।

आम आदमी को अंधविश्वास, पाखंड और चमत्कार के चकाचौंध के दुष्प्रचार से गरीब रखे जाने का षडयंत्र वर्षों से चला आ रहा है। यहां तक कि अब तो मोक्ष अर्थात मुक्ति भी एक पेड सर्विस सी बन गई है।

वर्तमान समय में कोई भी बीमारी क्यों न हो, स्वास्थ्य के क्षेत्र में संलग्न राजनैतिक संरक्षण प्राप्त व्यवसायियों के लिए तो रोज सोने का अंडा देने वाली मुर्गी जैसी बन जाती हैं। इलाज ढूंढना इन व्यवसायियों के लिए लाभदायक नहीं होता है। इसलिए वे यह नहीं चाहते कि मरीज मरें – वे बस यह चाहते हैं कि बीमार व्यक्ति बजाए स्वस्थ होने के, जीवन भर दवाइयां लेता रहे और उनका व्यवसाय पनपता रहे। पहले वे आमजन को बीमारी के विज्ञापनों के माध्यम से डर बेचते है और फिर वे दवाई के रूप में राहत बेचते हैं। फार्मास्यूटिकल कंपनियां बीमारियों का इलाज ढूंढने के बजाए उन्हें मैनेज करने की दवाइयों से ज्यादा पैसा कमाती हैं। अब हेल्थकेयर एक मार्केटप्लेस है। और आम बीमार उनका कस्टमर हैं।

इस प्रकार से अब हम यह समझ सकते हैं कि युद्ध आमजन को डराए रखता है। धर्म आमजन को आज्ञाकारी बनाये रखता है। बीमारी आम आदमी को दवाइयों पर निर्भर रखती है।–राजनेताओं ने उनके संरक्षण में रहने वाले लोगों से साझेदारी का संबंध रख, इस अमानवीय अराजकता को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक विरासत और इतिहास की दुहाई का रूप दे दिया है और अब यह एक सिस्टम बन गया है। और यह ठीक वैसे ही काम कर रहा है जैसे इसे डिज़ाइन किया गया था।

अत: इस वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय युग में, आम आदमी को जब सब प्रकार की सूचनाएं मिल रही हैं और सूचना तो वह शक्ति है, जिससे आदमी की सुषुप्त शक्तियां जागृत हो जाती हैं। ऐसी परिस्थिति में आमजन को चाहिए कि वे किसी भी देश के नागरिक क्यों न हों, इस धोखेबाज सिस्टम को नकारने के लिए उपलब्ध सूचनाओं का विवेकपूर्ण उपयोग कर मानव की भलाई व सुखद जीवन के निर्माण करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। मानव ही महान है।

**–मदन सिंह काला,**
**सेवानिवृत्त आई ए एस**

## राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

**सोमवार 9 मार्च, 2026**

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र सायं 4:12 तक, व्याघात योग प्रात: 7:56 तक, गर करण दिन 10:20 तक, चन्द्रमा प्रात: 9:30 पर वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

**गृह स्थिति:** सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–तुला, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज यमघट योग और कुमार योग सूर्योदय से सायं 4:12 तक है। रवियोग सायं 4:12 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 11:28 से आरम्भ होगी। आज श्री एकनाथ षष्ठि है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** अमृत सूर्योदय से 8:15 तक, शुभ 9:42 से 11:10 तक, चर 2:05 से 3:33 तक, लाभ–अमृत 3:33 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:47, सूर्यास्त 6:28

**मेष**
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

**वृष**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

**मिथुन**
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

**कर्क**
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

**सिंह**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

**कन्या**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

**तुला**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

**वृश्चिक**
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**धनु**
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मकर**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कुंभ**
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मीन**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

# महिला दिवस पर 'अस्मिता लीग' दौड़ प्रतियोगिता, बालिकाओं की भागीदारी

**बीकानेर,** (कासं)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार मेरा युवा भारत केन्द्र और जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को डॉ. करणी सिंह स्टेडियम से अस्मिता लीग के तहत दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पॉलिटेक्निक कॉलेज के खेल प्रभारी शंकरलाल प्रजापत उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथियों में जिला खेल अधिकारी सुरेन्द्र हर्ष, माई युवा भारत की जिला प्रभारी रूबी पाल, बॉस्केटबॉल कोच नरेन्द्र कस्वा और डॉ. कृष्णा आचार्य मौजूद रहे। प्रतियोगिताएं तीन आयु वर्गों-13 वर्ष से कम, 13 से 18 वर्ष तथा 18 वर्ष से अधिक में आयोजित की गई जिनमें 100, 200 और 400 मीटर दौड़ करवाई गई। प्रतियोगिता में महिला एवं बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया।

सीनियर वर्ग में भी अच्छा उत्साह देखने को मिला। मंजू गुलगुलिया ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा मैडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पैरा खिलाड़ी देवेन्द्र गहलोत, गजानंद शर्मा तथा खेल परिषद के कोचों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर डॉ. करणी सिंह स्टेडियम से अस्मिता लीग दौड़ में बालिकाओं ने भागीदारी निभाई।

- **प्रतियोगिताएं तीन आयु वर्गों-13 वर्ष से कम, 13 से 18 वर्ष तथा 18 वर्ष से अधिक में आयोजित की गई जिनमें 100, 200 और 400 मीटर दौड़ करवाई गई**

नोखा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में साध्वी राजीमती और मुमुक्षु शांता ने महिलाओं को प्रेरणा प्रदान की। जबकि विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख महिलाओं और दीक्षा मार्ग पर बच्चों को प्रेरित करने वाले परिवारों को सम्मानित किया गया।

शासन गौरव साध्वी राजीमती ने अपने संबोधन में कहा कि नारी गृहलक्ष्मी होती है और दुर्गा व सरस्वती का स्वरूप भी नारी में ही निहित है। उन्होंने जोर दिया कि एक संस्कारित महिला पूरे परिवार, संतान और घर को स्वर्ग बना देती है, जिससे वे उन्नति के पथ पर अग्रसर होते हैं।

साध्वी ने नारी को संतुलित, सहिष्णु और परोपकारी बताते हुए कहा कि पुरूष नारी के बिना अधूरा है। मुमुक्षु शांता ने महिलाओं को शक्ति, भक्ति और युक्ति से संपन्न बताया। उन्होंने प्रेरणा दी कि नारी को चरित्रवान और नैतिक बनना चाहिए। उनके अनुसार साधना, संयम और सेवा का जीवन ही नारी का वास्तविक श्रृंगार है।

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित महिलाओं को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया। इनमें विप्र फाउंडेशन की प्रदेशाध्यक्ष सीमा मिश्रा, महेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा राधामणि चितलंगी तथा अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं अंतर्राष्ट्रीय आईएमसीसी की अध्यक्षा सुषमा बजाज शामिल थी। उन परिवारजनों को भी प्रेरणा सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने बच्चों को दीक्षा के मार्ग पर अग्रसर किया। इनमें साध्वी सिद्धांत प्रज्ञा की दादी मां चंदा देवी बैद, साध्वी गंभीर प्रज्ञा की मां विमल देवी मालू और साध्वी जागृत यशा की मां बिन्दु लुणावत प्रमुख थी।

## झांसा देकर 10 लाख रूपए ठगे

**श्रीगंगानगर,**(कासं)। दुबई भेजकर नौकरी और वहां की नागरिकता दिलाने का झांसा देकर 10 लाख रूपए ठगने का मामला सामने आया है।

पीड़िता की ओर से अदालत में दिए परिवाद के आधार पर कोतवाली थाना में केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच एएसआई राजूसिंह को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार 45 एफ ब्लॉक, वार्ड नंबर 37 निवासी 40 वर्षीय हेमलता शर्मा पत्नी विनोद अरोड़ा ने आरोप लगाये हैं। इसके आधार पर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के अपर परागपुर निवासी दीपक कुमार पुत्र शेरसिंह राणा राजपूत तथा सुभाष हेगड़े के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि वह पी ब्लॉक स्थित एक इवेंट मैनेजमेंट के ऑफिस में अकाउंटेंट के तौर पर काम करती है। पीड़िता के ऑफिस में 9 जून 2021 को आरोपी दीपक कुमार आया और खुद को युवाओं को विदेश भेजने का काम करने वाला बताया। इससे पहले भी वह कार्यालय आकर विदेश भेजने का आश्वासन दे चुका था। पीड़िता का भाई दुबई में रहता है। इसलिए पीड़िता ने दुबई जाने की इच्छा जाहिर की। आरोपी ने 10 लाख रूपए खर्चा बताया। आरोपी को 11 जून 2021 को दो लाख रुपए आरोपी सुभाष हेगड़े के बैंक खाते में ट्रांसफर करवाए। इस तरह एक सप्ताह में आरोपी को 10 लाख रूपए उसके खातों तथा नकदी के जरिए दे दिए गए।

## सार-समाचार

### निःशुल्क घुटना दर्द निवारण शिविर

विधायक जेठानंद व्यास ने कुसुम देवी डागा स्मृति निशुल्क घुटना दर्द निवारण शिविर का शुभारंभ किया।

**बीकानेर,** (कासं)। समाजसेवी स्व. कुसुम देवी डागा की स्मृति में मुक्ति संस्था के तत्वावधान में रविवार को नत्थूसर बास स्थित ब्रह्म बगीचा परिसर में 18 वें नि:शुल्क घुटना दर्द निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में घुटना पीड़ित मरीजों ने पहुंचकर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। इस दौरान करीब 450 मरीजों की जांच कर उन्हें निशुल्क नी-बेल्ट प्रदान किए गए तथा आवश्यक उपचार किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि समाज में सेवा भाव से किए जा रहे ऐसे आयोजन मानवता की सच्ची मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने वाले ऐसे प्रयास समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने की। संस्था अध्यक्ष हीरालाल हर्ष ने कहा कि कुसुम देवी डागा ने जीवनभर महिलाओं के उत्थान और समाज सेवा के लिए संघर्ष किया। उनकी स्मृति में शुरू किया गया यह शिविर आज सैकड़ों जरूरतमंदों के लिए राहत का माध्यम बन चुका है। कार्यक्रम में शिक्षाविद ओमप्रकाश सारस्वत, सखा संगम के अध्यक्ष एन.डी. रंगा, सत्यनारायण सिंगोदिया, डॉ. फारूख चौहान, हजारी देवड़ा, डॉ. अजय जोशी, शिवकुमार शर्मा, डॉ. बी.एम. खत्री, डॉ. गौरीशंकर प्रजापत, सुरेश मोदी, मोहनलाल आचार्य, विजय जोशी, महेश उपाध्याय, बजरंग सारस्वत, अशफाक कादरी, बिन्दु प्रसाद रंगा, मुरली मनोहर पुरोहित, शक्तिरतन रंगा और जुगल किशोर पुरोहित सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

### प्रतिभाओं का अभिनंदन किया

जीजी-बाबूजी निकुंज सभागार में सखा सगम में तीन पीढियों की प्रतिभाओं का अभिनंदन किया।

**बीकानेर,** (कासं)। जयनारायण व्यास कॉलोनी बीकानेर स्थित जीजी-बाबूजी निकुंज सभागार में सखा संगम के तत्वावधान में एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में समाज की तीन अलग-अलग पीढ़ियों की विशिष्ट शख्सियतों का उनकी उपलब्धियों और सेवाओं के लिए अभिनंदन किया गया। समारोह में प्रतिभा के विभिन्न सौपानों का प्रतिनिधित्व करने वालों को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पीढ़ी के सामाजिक कार्यकर्ता, न्यासी खूमराज पंवार को उनके दीर्घकालीन सामाजिक योगदान के लिए सराहा गया। युवा पीढ़ी के तैराकी प्रशिक्षक गिरिराज जोशी को खेल के क्षेत्र में नई पीढ़ी को तराशने के लिए सम्मानित किया गया। तरूण पीढ़ी की उभरती विलक्षण प्रतिभा, पढाई में अव्वल नम्बर लाने वाले रूवशेखर का अभिनंदन कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार, कवि एवं कथाकार राजेन्द्र जोशी थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि समाज की जीवंतता के लिए तीनों पीढियों का एक मंच पर आना और उनका सम्मान होना प्रेरणादायी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सखा संगम के अध्यक्ष एन.डी. रंगा ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में साहित्यकार राजाराम स्वर्णकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के सदस्य जन्मेजय व्यास, मेघातिथि जोशी, डॉ. समीक्षा व्यास, गौरीशंकर आचार्य, शशिशेखर, युवा कवि शंशाक शेखर जोशी सहित अनेक उपस्थित थे।

### आईएएस झोरड़ का स्वागत

**अरजनसर,** (कासं)। अरजनसर क्षेत्र के गांव फूलेजी निवासी पुरूषोत्तम झोरड़ भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा 2025 में 691वीं रैंक हासिल करने के बाद रविवार को पहली बार अपने गांव पहुंचे। नवचयनित आईएएस अधिकारी के गांव आगमन पर ग्रामीणों ने डीजे, गुलाल और पुष्प मालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान पूरे गांव में उत्साह का माहौल था। सामाजिक कार्यकर्ता महेन्द्र शर्मा ने बताया कि पुरूषोत्तम झोरड़ ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार और गांव के बुजुर्गों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने शुरू से ही जीवन में एक अलग पहचान बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया था और उसी के अनुरूप लगातार पढ़ाई करते रहे। पुरूषोत्तम झोरड़ ने बताया कि उन्होंने पहले ही प्रयास में बिना किसी कोचिंग के केवल सेल्फ स्टडी के माध्यम से यह सफलता प्राप्त की है। पढ़ाई के दौरान वे सोशल मीडिया से पूरी तरह दूर रहे और तैयारी के चलते घर भी मुश्किल से तीन बार ही आ पाए। उन्होंने अपने दादा सरपंच राजाराम झोरड़ का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आईएएस बनने की प्रेरणा उन्हें सबसे अधिक अपने दादा से ही मिली। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि वे अभी से अपने भविष्य का लक्ष्य निर्धारित करें और उसी के अनुसार पूरी मेहनत के साथ तैयारी में जुट जाएं। इस कार्यक्रम में दलीप सहारण, शिशपाल ओझाईया, रेवंतराम नायक, भवानी फौजी, जयकरण जैपाल, प्रकाश शारद, पंकज शारद, दौलतराम सारस्वा, डायरेक्टर किशन झोरड़, शीशपाल गोदारा, हरिराम गोदारा सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

### नोखा से महिलाएं हनुमागढ़ रवाना

**नोखा,** (कासं)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हनुमानगढ़ में आयोजित होने वाले विशाल महिला सम्मेलन में भाग लेने के लिए नोखा और बीकानेर क्षेत्र से सैकड़ों महिलाएं बसों से रवाना हुई। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारीलाल बिश्नोई ने इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम स्थल पर महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया। महिला सशक्तिकरण के संदेश के साथ महिलाएं सम्मेलन में भाग लेने के लिए हनुमानगढ़ के लिए प्रस्थान कर चुकी हैं। इस अवसर पर बिश्नोई ने कहा कि समाज और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भागीदारी महतपूर्ण है।

# राजस्थान के हिस्से का पूरा पानी नहीं मिला, पांच दिन खिसकेगी नहरबंदी

- **वर्तमान में आंशिक नहरबंदी 21 मार्च से और पूर्ण नहरबंदी 5 अप्रैल से प्रस्तावित है। अब आंशिक नहरबंदी 26 मार्च से और पूर्ण नहरबंदी 10 अप्रैल से लागू हो सकती है**

**बीकानेर,** (कासं)। पंजाब का कहना है कि भूजल स्तर गिरने के कारण साझा करने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है। राजस्थान को वर्तमान में केवल 8 एमएएफ पानी ही मिल रहा है। राज्य में इस बार नहरबंदी की तारीख 5 दिन आगे खिसकेगी। क्योंकि राजस्थान को पंजाब से उसके हिस्से का पूरा पानी नहीं मिला है।

रावी-व्यास ट्रिब्यूनल बोर्ड की टीम भी इन दिनों पंजाब से राजस्थान को मिलने वाली नहरी पानी की स्थिति का जायजा लेने के लिए जिलों के दौरे पर है। वर्तमान में आंशिक नहरबंदी 21 मार्च से और पूर्ण नहरबंदी 5 अप्रैल से प्रस्तावित है। अब आंशिक नहरबंदी 26 मार्च से और पूर्ण नहरबंदी 10 अप्रैल से लागू हो सकती है। इस पर राजस्थान और पंजाब सरकार के उच्च अधिकारियों में लगातार बातचीत चल रही है। नहरबंदी की तारीख आगे बढ़ने से आईजीएनपी को ज्यादा पानी मिल पायेगा और उनकी सप्लाई से जलदाय विभाग अपने जलाशय, डिग्गियां और अन्य साधनों से पानी का स्टोरेज कर पायेगा जिससे कि नहरबंदी के दौरान पीने के पानी की किल्लत ना हो।

नहरबंदी के दौरान शहर और ग्रामीण इलाकों में आमजन तक निर्बाध रूप से पानी पहुंचाने के लिए जलदाय विभाग करीब 21 करोड़ रूपए के काम करायेगा। इसके टेंडर कर दिए गए हैं। जलदाय विभाग की ओर से हर साल नहरबंदी से पहले आमजन तक पीने का पानी पहुंचाने के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजकर बजट मांगा जाता है।

इस बार भी करीब 21 करोड़ रूपए के प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेजे गए, जिनकी प्रशासनिक स्वीकृति भी मिल गई है। शहरी क्षेत्र के अंतिम छोर तक और ग्रामीण इलाकों में पीने के पानी की सप्लाई के लिए अलग-अलग काम कराए जायेंगे। इसमें शहरी क्षेत्र के सिटी सर्किल में 1.70 करोड़, जिला वृत्त के नोखा, श्रीडूंगरगढ़ और देशनोक में 1.40 करोड़, ग्रामीण वृत्त में 6.90 करोड़ खर्च किए जायेंगे। इसके अलावा नहर से पानी लेने के कामों पर भी सिटी वृत्त में एक करोड़, जिला वृत्त के खाजूवाला और लूणकरनसर में 60 लाख और ग्रामीण इलाकों में 9 करोड़ रूपए खर्च किए जायेंगे। 20 मार्च से पहले बीछवाल-शोभासर जलाशय भरने का टारगेट।

शहर के लोगों को पीने के पानी की सप्लाई बीछवाल और शोभासर जलाशय से होती है। दोनों जलाशयों से रोज 145 एमएलडी पानी की सप्लाई की जाती है। बीछवाल की क्षमता 6.2 मी. और शोभासर की क्षमता 5.5 मी. है। वर्तमान में बीछवाल जलाशय में 3.2 मी. और शोभासर जलाशय में 2.5 मी. पानी है। जलदाय विभाग का टारगेट है कि दोनों जलाशयों को 20 मार्च से पहले लबालब कर लिया जाए।

## अनियंत्रित ट्रक पलटा, कार से टकराया

**नापासर,** (कासं)। नापासर क्षेत्र में रविवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-11 पर एक बड़ा हादसा टल गया। गुसाईसर और नौरंगदेसर के बीच अनियंत्रित ट्रक पलट गया और घसीटते हुए सामने से आ रही वेन्यू कार से टकरा गया। कार चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया, जिसने ट्रक को लहराते देख अपनी कार पहले ही रोक ली थी।

हादसे की सूचना मिलते ही नापासर थानाधिकारी सुषमा शेखावत एएसआई जगदीश कुमार के साथ पुलिस बल लेकर मौके पर पहुंची। थानाधिकारी शेखावत ने बताया कि ट्रक पलटने से उसका चालक केबिन में फंस गया था। पुलिस टीम ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों की मदद से चालक को सुरक्षित बाहर निकाला।

पुलिसकर्मियों ने घायल ट्रक चालक को प्राथमिक उपचार के बाद एम्बुलेंस से बीकानेर के पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर भिजवाया। इस हादसे में किसी प्रकार की जानमाल की हानि नहीं हुई है। थानाधिकारी सुषमा शेखावत, एएसआई जगदीश कुमार ने वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू करवाया।

## कलेक्शन एजेंट 2.04 लाख रूपए लेकर फरार

- **फाइनेंस कंपनी ने टाउन थाने में दर्ज कराया गबन का केस**
- **एजेंट ने ग्राहकों से ली गई 2 लाख 4 हजार 50 रूपए की किश्तें कंपनी में जमा नहीं करवाई**

**हनुमानगढ़,** (कासं)। टाउन थाना में एक फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एजेंट के खिलाफ ऋण वसूली की राशि में गबन का मामला दर्ज किया गया है।

आरोप है कि एजेंट ने ग्राहकों से ली गई 2 लाख 4 हजार 50 रूपए की किश्तें कंपनी में जमा नहीं करवाई और फरार हो गया। पुलिस ने अदालत के आदेश पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह रिपोर्ट आरबीएल बैंक से संबद्ध कंपनी आरबीएल फिनसर्व लिमिटेड की हनुमानगढ़ टाउन शाखा के प्रबंधक इंद्र मोहन ने दर्ज करवाई है। उन्होंने बताया कि कंपनी हनुमानगढ़ टाउन में समूह ऋण प्रदान करती है। कंपनी में ग्रुप लोन ऑफिसर के पद पर कार्यरत विकास कुमार निवासी अबोहर, जिला फाजिल्का (पंजाब) को ग्राहकों से मासिक किश्तें एकत्रित करने का जिम्मा सौंपा गया था। रिपोर्ट के अनुसार विकास कुमार ने विभिन्न ग्राहकों से कुल 2 लाख 4 हजार 50 रूपए की राशि किश्तों के रूप में वसूल की थी। नियमानुसार यह राशि निर्धारित समय में कंपनी के खाते में जमा करानी अनिवार्य थी।

शिकायत में बताया गया है कि विकास कुमार ने यह राशि कंपनी में जमा नहीं करवाई और उसे अपने निजी उपयोग में ले लिया। कंपनी ने आरोपी से संपर्क करने के कई प्रयास किए लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला और उसने कॉल का जवाब नहीं दिया।

कंपनी को आशंका हुई कि आरोपी वसूली की रकम लेकर फरार हो गया है। शाखा प्रबंधक ने बताया कि इस घटना से कंपनी को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ प्रतिष्ठा को भी क्षति पहुंची है। पहले पुलिस को शिकायत दी गई थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर न्यायालय के माध्यम से मामला दर्ज कराया गया।

# गुडिया गोदारा 6 साल से बना रही है भुजिया

- **पुरूष कारीगरों से जुड़े काम की सोच को गुडिया गोदारा बदला**

**बीकानेर,** (कासं)। भट्टी की तेज आंच, कढ़ाई में खौलता तेल और उसके सामने डटी एक महिला। हाथों की तेजी से छलनी चलती है और सुनहरी भुजिया कढ़ाई में गिरती चली जाती है। बीकानेर की गलियों में यह नजारा आमतौर पर पुरूष कारीगरों से जुड़ा माना जाता है, लेकिन शीतला गेट की गुडिया गोदारा ने इस सोच को बदल दिया है।

महिला दिवस पर उनकी कहानी बताती है कि मेहनत और लगन के साथ कोई भी काम छोटा नहीं होता और महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकती हैं। बीकानेर के शीतला गेट क्षेत्र में रहने वाली गुडिया गोदारा ने बताया कि जब उसने कई महिलाओं को अपने परिवार के काम में सहयोग करते देखा तो उनके मन में भी पति की मदद करने का विचार आया। उनके पति कालूराम भादू करीब 25 साल से भुजिया बनाने का काम कर रहे हैं। पहले वे बीकानेर से बाहर जाकर काम करते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उन्होंने शहर में ही काम शुरू कर दिया। शुरूआत में गुडिया सिर्फ अपने पति को काम करते हुए देखती थी। धीरे-धीरे उन्होंने इस काम की बारीकियां सीखनी शुरू की। उनकी रूचि देखकर कालूराम ने भी उन्हें भुजिया बनाने की पूरी प्रक्रिया सिखाई। अब वे लम्बे समय तक भट्टी के पास खड़े रहकर भुजिया तैयार करती हैं। कालूराम का कहना है कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

## मारपीट कर चेन व नकदी छीनी

**हनुमानगढ़,** (कासं)। टाउन क्षेत्र में दूध सप्लाई करने जा रहे एक युवक पर अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने युवक को रोककर लाठी-डंडों से पीटा और उसके गले से सोने की चेन तथा लगभग 20 हजार रूपये नकद छीनकर फरार हो गए। टाउन थाना पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चक 13 केएसपी भुनावाली ढाणी निवासी भीमसेन जाट हनुमानगढ़ टाउन और जंक्शन क्षेत्र में दूध सप्लाई का काम करता है। 7 मार्च को सुबह वह दूध सप्लाई के लिए टाउन से जंक्शन की ओर जा रहा था। भीमसेन टाउन-जंक्शन रोड पर बजाज व्हीकल की एजेंसी के पास पहुंचा तो एक सफेद स्विफ्ट कार और दो मोटरसाइकिलों पर सवार युवक अचानक उसके सामने आ गए। कार और बाइक से उतरे लगभग 7-8 युवकों ने उसे घेर कर लूटपाट की।

# सैंडविच आर्डर से कैफे संचालक और पुलिसकर्मियों में विवाद

- **पुलिसकर्मियों ने पहले सैंडविच का ऑर्डर दिया और बाद में लेने से इनकार कर दिया**
- **कहासुनी के बाद पुलिसकर्मियों ने गाली-गलौज करते हुए कैफे संचालक के साथ मारपीट कर दी**

**बीकानेर,** (कासं)। शहर के नयाशहर थाना क्षेत्र में देर रात पुलिसकर्मियों और एक कैफे संचालक के बीच विवाद का मामला सामने आया है।

कैफे संचालक ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मियों ने पहले सैंडविच का ऑर्डर दिया और बाद में लेने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर कहासुनी बढ़ गई और पुलिसकर्मियों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में नयाशहर थाने के बाहर पहुंच गए और संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। मामले को लेकर इलाके में देर रात तक हलचल बनी रही। जानकारी के अनुसार यह घटना जस्सूसर गेट क्षेत्र स्थित द वन कैफे की है। कैफे संचालक उमेश ओझा ने नयाशहर थानाधिकारी को दिए परिवाद में बताया कि वह अपने एक साथी के साथ रात करीब 1 बजे कैफे बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहा था।

इसी दौरान कुछ पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और सैंडविच बनाने के लिए कहा। जब वह सैंडविच बनाने लगा, तभी एक अन्य पुलिसकर्मी ने यह कहते हुए मना कर दिया कि अब उन्हें सैंडविच नहीं चाहिए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। कैफे संचालक ने अपने परिवाद में आरोप लगाया है कि विवाद के बाद पुलिसकर्मियों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की।

परिवाद में यह भी उल्लेख किया गया है कि उस समय ड्यूटी पर मौजूद एक पुलिसकर्मी ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। संचालक ने मामले में संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

# जनविरोधी और महिला विरोधी नीतियों के खिलाफ रोष जताया

**बीकानेर,** (कासं)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की ओर से डॉ. सीमा जैन के नेतृत्व में रविवार को जिला कलेक्ट्रेट पर एक विशाल संकल्प सभा व मार्च का आयोजन किया गया।

इस विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जनविरोधी और महिला विरोधी नीतियों के खिलाफ अपना रोष प्रकट करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए डॉ. सीमा जैन ने कहा कि आज का दिन केवल औपचारिक उत्सव का नहीं बल्कि साम्राज्यवादी ताकतों और पूंजीवादी शोषण के खिलाफ संघर्ष को तेज करने का दिन है। संकल्प सभा में बीकानेर की बहादुर राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता बेनीश का शॉल साफा पहनाकर नारेबाजी के साथ सम्मान किया गया। जिला कलेक्ट्रेट के सामने जिला अध्यक्ष शारदा सियाग और अन्य पदाधिकारियों ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों और ट्रंप द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली साम्राज्यवादी विचारधारा के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि ये नीतियां महिलाओं को आर्थिक गुलामी और बढ़ती महंगाई की ओर धकेल रही हैं। जिला सचिव फरजाना ने कहा कि ट्रंप और मोदी की नीतियां न केवल श्रम अधिकारों का हनन करती हैं, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा और स्वायत्तता के लिए भी खतरा हैं। कोषाध्यक्ष उर्मिला बिश्नोई ने सभा में महंगाई और बेरोजगारी पर रोक लगाओ के नारों के साथ मांग की कि सरकार घरेलू बजट को बिगड़ने से बचाने के लिए ठोस कदम उठाए और सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण को तुरंत बंद करें। डॉ. जैन ने घोषणा की कि जनवाद, समानता और नारी मुक्ति के लिए यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक अन्याय, शोषण और लैंगिक भेदभाव का अंत नहीं हो जाता। आज कलेक्ट्रेट पर पुतला दहन इस बात का प्रतीक है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जनवादी महिला समिति की ओर से डॉ. सीमा जैन के नेतृत्व में महिला विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूंका।

## सोलर प्लांट से 8 हजार मीटर केबल चोरी

**नोखा,** (कासं)। मुकाम स्थित एक सोलर प्लांट में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। बदमाशों ने प्लांट से करीब 8 हजार मीटर डीसी केबल सहित लाखों रूपए के उपकरण चुरा लिए। इस घटना में सीसीटीवी सिस्टम को भी नुकसान पहुंचाया गया है।

पुलिस ने स्टोकवेल सर्विसेज के सोलर प्लांट में चोरी और तोड़फोड़ का मामला दर्ज किया है। प्लांट की सुरक्षा का जिम्मा शोजी इंफ्राटेल के पास है। कंपनी के फील्ड ऑफिसर राजेश कुमार ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 5 मार्च की रात अज्ञात बदमाश प्लांट परिसर में घुसे। सुबह साइट इंजीनियर के निरीक्षण के दौरान पता चला कि चोरों ने बाउंड्री फेंसिंग काटकर एक पीटीजेड कैमरा, चार सीसीटीवी कैमरे और दो एनवीआर (रिकॉर्डिंग सिस्टम) चुरा ले गए। बदमाशों ने एमसीबी रूम का गेट भी तोड़ दिया और कई स्ट्रीट लाइट टर्मिनल बॉक्स को क्षतिग्रस्त कर दिया।

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email:- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Office Address:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक-नियम/2026/5190 सार्वजनिक आपत्ति सूचना दिनांक-05.03.2026
[illegible]
सचिव नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर
आवेदन संख्या-SGNR/FY25-26/MUT/1398

# चूरू में मुख्यमंत्री भजनलाल ने वीरांगनाओं और पूर्व सैनिकों का सम्मान किया

## सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा गौरव सेनानी समारोह का आयोजन हुआ

गौरव सेनानी सम्मान समारोह में सीएम भजनलाल शर्मा ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया।

**चूरू/जयपुर।** चूरू जिला मुख्यालय पर सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा रविवार को जिला स्टेडियम में गौरव सेनानी समारोह का आयोजन किया गया। आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्र सेवा में राजस्थान के वीरों की अग्रणी भूमिका रही है। यहां गांवों में कोई न कोई ऐसा परिवार है जिसने सेना की वर्दी पहनी है। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, वे आजीवन राष्ट्र हित और समाजहित के लिए निरन्तर कार्य करते हैं। उनका त्याग और बलिदान से पूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को चूरू के जिला खेल स्टेडियम में आयोजित गौरव सेनानी समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि चूरू और शेखावाटी की धरती ने देश प्रेम के भाव को सदैव जीवंत रखा है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ जैसे वीर सपूतों ने राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चूरू के जिला खेल स्टेडियम का नाम 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अद्भुत साहस का प्रदर्शन करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के नाम पर रखे जाने की घोषणा भी की।

समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के वीरों ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभायी है। सबसे लम्बी अंतर्राष्ट्रीय सीमा राजस्थान से लगती है। यहां का हर नागरिक सेना के प्रति समर्पण की भावना रखता है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह व सगतसिंह का नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। देश की आजादी से पहले ही चूरू के धर्मस्तूप पर यहां के वीरों ने तिरंगा फहराकर आजादी के आंदोलन में रोशन किया था। उन्होंने कहा कि अब नया भारत आत्मनिर्भर भारत बना है। उन्होंने महिला दिवस पर वीर नारियों व वीरांगनाओं को शुभकामनाएं दी।

आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बताया कि समारोह में 7 हजार पूर्व सैनिक, वीर नारी व वीरांगनाओं ने भाग लिया। समारोह में पूर्व सैनिकों से प्राप्त 1700 समस्याओं का शत प्रतिशत समाधान किया गया। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों को देश का अतीत बताते हुए कहा कि देश की नींव इन्हीं के पसीने से रखी गई है। ऑपरेशन सिंदूर में भी इनका अमूल्य योगदान रहा है। देश की सेना में राजस्थान का 10 प्रतिशत सैनिकों का योगदान है। चूरू के 89 वीर सपूतों ने अपनी जान की आहुतियां दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों को विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए एकीकृत सैनिक कल्याण कॉम्पलेक्स का चरणबद्ध निर्माण कर रही है। प्रथम चरण में 36 करोड़ रुपये की लागत से जोधपुर, टोंक, शेरगढ़ और झुंझुनूं में इन कॉम्पलेक्स का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में मेजर शैतान सिंह कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र और झुंझुनूं में 'वॉर म्यूजियम' की स्थापना भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिक और उनके परिवारों को सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आरटीडीसी के होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट देने के साथ ही, नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय भी खोले जा रहे हैं। विभिन्न विभागों में रेक्सको के माध्यम से नियोजित पूर्व सैनिकों के मानदेय में

- **अब जिला खेल स्टेडियम सगत सिंह स्टेडियम के नाम से जाना जायेगा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा**

पिछले 2 साल में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों को मिलने वाली पेंशन 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की गई है।

सप्तशक्ति कमान के सेना कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने कहा कि फौजी कभी अकेला नहीं रहता, इसी उद्देश्य को लेकर गौरव सैनानी समारोह आयोजित किया जा रहा है। यह समारोह आपसी जुड़ाव और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एक्स सर्विसमैन सैकण्ड लाइन ऑफ डिफेंस के रूप में कार्य करते हैं।

इस अवसर पर समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने वीर नारियों, वीरांगनाओं और भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया। सीएम शर्मा ने शिविरों का अवलोकन किया और पूर्व सैनिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, विधायक हरलाल सहारण, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि, संतोष मेघवाल, वासुदेव चावला सहित अनेक भाजपा नेता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

# उदयपुर में तीन भालुओं ने किसान पर हमला किया, हालत गंभीर

## तीन दिन में दूसरा हमला, खेत में रखवाली करने जा रहा था किसान

**उदयपुर, (कासं)।** उदयपुर के सायरा थाना क्षेत्र में जंगली भालुओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार की सुबह एक और किसान इन खूंखार जानवरों के हमले का शिकार हो गया। भालुओं ने किसान के सिर, चेहरे और पैरों को बुरी तरह से नोच डाला जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 8 बजे करदा क्षेत्र के नोतल की भागल गांव की है। किसान पेमाराम गमेती अपने खेत पर फसल की रखवाली करने जा रहे थे। इसी दौरान अचानक झाड़ियों से निकले तीन जंगली भालुओं के झुंड ने किसान पर हमला बोल दिया। भालुओं ने पेमाराम का शरीर बुरी तरह नोच डाला। घायल पेमाराम के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास में

- **भालुओं ने किसान के सिर, चेहरे और पैरों को बुरी तरह से नोच डाला**
- **ग्रामीणों के एकत्र होकर चिल्लाने पर तीनों भालू जंगल की ओर भाग गए**

मौजूद भेरूलाल सुथार मौके पर पहुंचे और शोर मचाया। ग्रामीणों के एकत्र होकर चिल्लाने पर तीनों भालू जंगल की ओर भाग गए। घायल पेमाराम को तुरंत गोगुंदा अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर किया। तीन दिनों में यह दूसरा हमला है। इससे पहले शुक्रवार की रात रोयडा गांव में भी एक व्यक्ति पर भालुओं ने हमला कर दिया था। सूचना पर सायरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही वन विभाग के अधिकारी भरत मेघवाल भी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों का फिलहाल जंगल या खेत पर अकेले नहीं जाने की सलाह दी है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात रोयडा गांव में भी भालुओं के झुंड ने प्रेम सिंह राजपूत पर हमला कर दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि यह क्षेत्र कुंभलगढ़ अभयारण्य से सटा हुआ है जिसके चलते जंगली भालू अक्सर जंगल से निकलकर आबादी क्षेत्र में आ जाते हैं। लगातार हो रहे हमलों से इलाके के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

# अज्ञात जंगली जानवर ने हमला कर 160 मवेशियों को मारा

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** सहजपुर गांव में शनिवार रात एक अज्ञात जंगली जानवर के हमले में लगभग 160 भेड़ों (मवेशी) की मौत हो गई। यह घटना खूंटला सलोना ग्राम पंचायत क्षेत्र में हुई, जिससे पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

पशुपालक बनवारी बैंसला और भीम सिंह गुर्जर के बाड़े में घुसकर जंगली जानवर ने इन भेड़ों को निशाना बनाया। ग्रामीणों के अनुसार, पशुपालन ही इन परिवारों की आजीविका का मुख्य स्रोत है और इस घटना से उन्हें गंभीर आर्थिक क्षति हुई है। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और प्रशासन से शीघ्र उचित सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की। गुर्जर ने कलेक्टर से फोन पर बात कर मामले में त्वरित कार्रवाई का आग्रह भी किया। मानसिंह गुर्जर ने वन विभाग से भी इस घटना की गहन जांच करने और क्षेत्र में जंगली जानवरों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की अपील की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान करने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। उनका कहना था कि पशुधन किसानों की आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए ऐसे मामलों में त्वरित सहायता और ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

# टोंक में दो पक्षों की कहासुनी के बाद पुलिस ने ड्रोन सर्वे किया

**टोंक, (निसं)।** पुरानी टोक क्षैत्र में हुई दो पक्षों की कहासुनी के बाद शहर में रविवार को पुलिस एक्शन मोड में नजर आई। पुलिस ने घटना के बाद ड्रोन सर्वे किया, जिसमें ऐसे घरों को चिन्हित किया

- **सर्वे में ऐसे घरों को चिन्हित किया, जहां पत्थर रखे गए थे**

गया, जहां पत्थर रखे गए थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सभी 20 मकान मालिकों को नोटिस देकर तीन दिन में छतों से पत्थर हटाने के निर्देश दिए, साथ ही ऐसा नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी।

जानकारी के अनुसार गत छह मार्च की देर रात देशवाली मोहल्ले में कहासुनी के बाद दो पक्षों में झगड़ा हुआ था। इस दौरान एक पक्ष के लोगों ने वाल्मीकि बस्ती पर पथराव किया था। वहीं दूसरे पक्ष का आरोप है कि पथराव उनकी ओर से हुआ था। हालांकि इसमें किसी को गंभीर चोट नहीं आई थी, लेकिन माहौल तनावपूर्ण हो गया था। पुलिस ने मामले में 15 लोगों से पूछताछ की है।

पुरानी टोंक थाना प्रभारी नेमीचंद ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां कुछ लोगों ने पुलिस पर भी पथराव किया था। फिलहाल मामले में आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी के अनुसार रविवार को दो घंटे देशवाली मोहल्ला, वाल्मिकी मोहल्ला, निवाई दरवाजा समेत आसपास के मकानों पर ड्रोन उड़ाकर सर्वे किया गया। ड्रोन के फुटेज देखे तो उसमें 20 मकानों पर पत्थर, ईंटों के टुकड़े दिखाई दिए हैं। इसे पुलिस सभी बीस मकान मालिकों को चिन्हित कर तीन दिन में ये आपत्तिजनक सामग्री खाली करने के नोटिस दिए हैं। क्षेत्र में पुलिस जाब्ता तैनात है और निगरानी रखी जा रही है।

पुरानी टोक क्षैत्र में पुलिस ने घटना के बाद ड्रोन सर्वे किया।

## लूट की वारदात का खुलासा

**बांसवाड़ा, (निसं)।** पुलिस थाना आंबापुरा ने क्षेत्र में राह चलती महिला से सोने का टिक्का झपटने की वारदात का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर सोने का टिक्का बरामद किया। वहीं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की।

थानाधिकारी निर्भय सिंह राणावत ने बताया कि 16 फरवरी को प्रार्थिया शीला पत्नी पिन्टू उर्फ प्रेमशंकर डिंडोर ने रिपोर्ट दी थी। जिस पर प्रकरण दर्ज कर एएसआई पारचंद ने अनुसंधान प्रारंभ किया। थानाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गयी। इस टीम ने संतोष पुत्र प्रभु दामा निवासी खड़देव केसरपुरा थाना आंबापुरा संदिग्ध होना पाया गया। थानाधिकारी राणावत ने बताया कि आरोपी संतोष घटना के बाद से घर से फरार चल रहा था। जिसके होली के त्यौहार पर उसके ससुराल गांव गदेड़ापाड़ा, पाड़ला थाना भूंगड़ा आने की जानकारी मिली थी।

## एमडीएमए सहित एक गिरफ्तार

**उदयपुर, (कासं)।** शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के दौरान मकान पर दबिश देकर अवैध एमडीएमए बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक के आदेश पर अम्बामाता थानाधिकारी मय टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर "ऑपरेशन त्रिनेत्र" अभियान के तहत मकान पर दबिश देकर 489 ग्राम अवैध एमडीएमए जब्त कर फरहान पुत्र अयाज मोहम्मद अंसारी निवासी गांधीनगर को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। फरहान ने उक्त मादक पदार्थ प्रतापगढ़ जिले के अखेपुर निवासी फजल खान से खरीदना व शहर में अलग-अलग स्थानों पर बेचना स्वीकार किया है।

## करंट से व्यक्ति की मौत

**छबड़ा, (निसं)।** कंकरवा गांव में कृषि कार्य के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। वही मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी अनुसार पप्पू गाडरी (47) निवासी कंकरवा शनिवार रात को अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहा था। तभी वह अचानक अचेत हो गया। परिजन उसे तत्काल छबड़ा चिकित्सालय लाए। यहां डॉक्टरों ने जांच उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

# नागौर में लोडिंग टेम्पो पलटा, शादी समारोह में जा रहे 15 लोग घायल

## आवारा पशु को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा, प्राथमिक उपचार के बाद दो जनों को गंभीर हालत में रेफर किया

**नागौर, (निसं)।** नागौर जिले के बापोड़-बासनी रोड पर रविवार सुबह लोडिंग टेम्पू टैक्सी पलटने से 15 लोग घायल हो गए। सभी लोग शादी समारोह में शामिल होने के लिए बापोड़ से नागौर आ रहे थे। बासनी पुलिया से पहले अचानक सामने आए आवारा पशु को बचाने के प्रयास में टेंपो टैक्सी बेकाबू होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को तुरंत

- **घायलों में 5 महिलाएं और कुछ बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं**

अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से हॉस्पिटल पहुंचाया गया। इनमें से 5 घायलों को बासनी अस्पताल ले जाया गया, जबकि 10 घायलों को नागौर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के पीएमओ डॉ. आर.के. अग्रवाल ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही हॉस्पिटल स्टाफ को अलर्ट मोड पर रखा गया था। घायलों को अस्पताल पहुंचते ही तुरंत इलाज शुरू कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लाए गए 10 घायलों में से 8 को प्राथमिक उपचार के बाद सामान्य वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं दो घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। घायलों में 5 महिलाएं और कुछ बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार हादसे में घायल सभी लोग आपस में रिश्तेदार हैं। वे बापोड़ से नागौर स्थित सेवा भारती संस्थान में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बासनी पुलिया से कुछ दूरी पहले अचानक सड़क पर आए आवारा पशु को बचाने के प्रयास में वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। इसके बाद पलटे हुए टेम्पो टैक्सी को सड़क से हटवाया गया ताकि यातायात सुचारु रूप से चल सके।

हादसे में हुये गंभीर घायलों का अस्पताल में चिकित्सकों ने उपचार किया।

# भीलवाड़ा में दो जगह अवैध अफीम की खेती पकड़ी, एक गिरफ्तार

**भीलवाड़ा, (निसं)।** जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत करेडा थाना पुलिस ने अवैध अफीम की खेती पकड़ी है। पुलिस ने ग्राम केमरी में एक खेत पर दबिश देकर 294 अफीम के पौधे और तैयार अफीम बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। ज़ब्त मादक पदार्थ की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 लाख 33 हजार रुपये बताई जा रही है।

थानाधिकारी पुरणमल ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु गठित विशेष टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम केमरी में अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही है। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाडा बुद्धराज व वृत्ताधिकारी आसीन्द ओमप्रकाश के सुपरविजन में टीम ने खेत पर अचानक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 294 अफीम के पौधे बरामद किए, जिनका कुल वजन 16 किलो 300 ग्राम पाया गया। इसके साथ ही आरोपी के कब्जे से 103 ग्राम तैयार अफीम भी ज़ब्त की गई। पुलिस ने आरोपी श्याम लाल (40) पिता हेमाराम भील निवासी केमरी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से अफीम की सप्लाई और अन्य नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है।

**ग्राम डेलाना में गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी :** वहीं भीलवाड़ा जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गांव डेलाना में दबिश देकर गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी है।

सीओ सदर आईपीएस माधव उपाध्याय के नेतृत्व में गठित विशेष टीम को पुख्ता जानकारी मिली थी कि डेलाना गांव में एक किसान ने अपने खेत में चालाकी से गेहूं की आड़ में

- **करेडा थाना पुलिस ने खेत पर दबिश देकर 294 अफीम के पौधे और तैयार अफीम बरामद की**
- **ग्राम डेलाना में भी गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी**

अफीम बो रखी है। सूचना मिलते ही विशेष टीम और गंगापुर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और चिन्हित खेत पर छापेमारी की। जब पुलिस टीम खेत के बीच पहुंची, तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गई। गेहूं की ऊंची फसल के बीचों-बीच एक लंबी क्यारी में अफीम के सैंकड़ों पौधे लहलहा रहे थे। आरोपी ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए अफीम को चारों तरफ से गेहूं की फसल से ढक रखा था।पुलिस ने सभी अवैध पौधों को उखाड़कर जब्त कर लिया है और उनका वजन व गिनती की जा रही है। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर खेत मालिक की भूमिका की जांच की जा रही है।

गंगापुर थाना के गांव डेलाना में अवैध अफीम की खेती पकड़ी।

## बाड़े से चार लाख के 31 मवेशी चोरी

**पाटन, (निसं)।** क्षेत्र की नई बस्ती मोहनपुरा में शनिवार रात चोरों ने एक बकरी पालक के बाड़े को निशाना बनाते हुए 31 बकरियां (मवेशी) चोरी कर ली। घटना का पता रविवार सुबह चला, जब बकरी पालक बाड़े पर पहुंचा और उसे खाली पाया। चोरी हुई बकरियों की कीमत करीब चार लाख रुपए आंकी गई है। घटना से पीड़ित परिवार की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है।

जानकारी के अनुसार नई बस्ती मोहनपुरा निवासी संदीप यादव पुत्र कानाराम पशुपालन का व्यवसाय करता है। उसने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि रविवार सुबह करीब छह बजे जब वह अपने बाड़े पर पहुंचा तो वहां से 14 बड़े बकरे, 8 बकरियां और 9 छोटे बच्चे गायब मिले। बाड़े का दरवाजा खुला मिला और अंदर एक भी बकरी नहीं मिली । सूचना मिलने पर पाटन पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को बाड़े के पास वाहन के टायरों के निशान भी मिले हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि चोर वाहन में बकरियों को भरकर ले गए । पुलिस गांव के मुख्य रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

# कोटा स्टेशन पर लाखों के आभूषण, नकदी व सामान सहित एक गिरफ्तार

## ऑपरेशन "यात्री सुरक्षा" के तहत रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने कार्रवाई की

**कोटा, (निसं)।** पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन "यात्री सुरक्षा" के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने कोटा स्टेशन पर एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी सहित 14 लाख 43 हजार 550 रुपये मूल्य का सामान बरामद किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोटा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1-ए पर रेलवे सुरक्षा बल की टीम को एक संदिग्ध व्यक्ति पिट्ठू बैग के साथ दिखाई दिया। संदेह के आधार पर उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसके बैग से एक संदिग्ध महिला पर्स बरामद हुआ। इसी दौरान रेलवे सुरक्षा बल चौकी पर लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करते हुए यह सूचना राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा के साथ साझा की गई। राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा द्वारा बताया गया कि एक महिला पर्स चोरी के मामले में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान संदिग्ध व्यक्ति उक्त चोरी की घटना में शामिल पाया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुलदीप सिंह (27), निवासी कोटा के रूप में हुई है। आरोपी के पास से लगभग 14,02,000 रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण तथा 41,550 रुपये नकद सहित कुल 14 लाख 43 हजार 550 रुपये की बरामदगी की गई। इस संबंध में राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी के विरुद्ध विभिन्न थानों में छीनाझपटी, चोरी तथा शस्त्र अधिनियम से संबंधित कई प्रकरण दर्ज हैं। इस कार्रवाई में रेलवे सुरक्षा बल, कोटा की टीम के निरीक्षक सुमित रघुवंशी, सहायक उपनिरीक्षक अंबेश कुमार गौतम, आरक्षक अवधेश शर्मा तथा आरक्षक मुकेश कुमार मीणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल अथवा संबंधित अधिकारियों को दें।

**अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत :** टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाइवे-552 पर शनिवार को 60 साल की महिला का शव लहूलुहान हालत में मिला। जानकारी के अनुसार महिला शौच जाने के लिए घर से निकली थी। इस दौरान तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। घटना के बाद महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा घास गांव के पास स्थित हॉस्पिटल के सामने बताया जा रहा है। टोंक सदर थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि सूचना पर पंहुची थाना टीम को मृत महिला रोड किनारे लहूलुहान हालत में पड़ी मिली, जिसे एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक महिला धापू देवी निवासी घांस जो शौच के लिए घर से निकली तो सड़क किनारे चलने के दौरान वे तेज गति से दौड़ रहे अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई। धापू देवी के चार बेटे हैं, बड़ा बेटा लकवाग्रस्त है।

# गृह रक्षा विभाग को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने पर जोर

## होमगार्ड्स को आधुनिक तकनीक के अनुरूप प्रशिक्षण दें, ताकि वे बदलती चुनौतियों के अनुरूप प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें : वी. श्रीनिवास

**जयपुर ( कासं )।** मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गृह रक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभाग की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विभाग के आधुनिकीकरण को राज्य सरकार की दीर्घकालीन परिकल्पना 'विकसित राजस्थान 2047' के अनुरूप गति देने पर जोर दिया।मुख्य सचिव ने कहा कि होमगार्ड स्वयंसेवकों को केवल आरक्षित सहायक बल के रूप में सीमित न रखते हुए उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम और मुख्यधारा में एकीकृत सहायक बल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने आपदा प्रबंधन में उनकी अग्रिम भूमिका को और सुदृढ़ करने के साथ ही जयपुर सहित प्रदेशभर में यातायात प्रबंधन में उनकी संस्थागत और परिचालनात्मक भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

- मुख्य सचिव ने विभागीय कैडर रिव्यू, स्वयंसेवकों को शीतकालीन वर्दी वितरण प्रणाली में मौजूद विसंगतियों के समाधान तथा विभाग में आईटी सेल की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों की प्रगति पर संतोष जताया

**मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को गृह रक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभाग की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की।**

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के अनुरूप होमगार्ड स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण और क्षमता संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि वे बदलती चुनौतियों के अनुरूप प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।

बैठक में मुख्य सचिव ने विभाग की आईटी संरचना को मजबूत करने तथा एचडीएमएस प्रणाली की कार्यात्मक क्षमताओं का विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे स्वयंसेवकों के नियोजन, प्रशिक्षण और सेवा प्रबंधन में पारदर्शिता तथा दक्षता सुनिश्चित होगी और गृह रक्षा दल राज्य की सुरक्षा व्यवस्था में एक विश्वसनीय एवं तकनीकी रूप से सक्षम सहायक बल के रूप में और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेगा।

समीक्षा के दौरान श्रीनिवास ने विभागीय कैडर रिव्यू, स्वयंसेवकों को शीतकालीन वर्दी वितरण प्रणाली में मौजूद विसंगतियों के समाधान तथा विभाग में आईटी सेल की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन विषयों पर तीन माह के भीतर पुनः समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी और लंबित प्रस्तावों पर निर्णय लिए जाएंगे।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत, महानिदेशक गृह रक्षा मालिनी अग्रवाल, संयुक्त शासन सचिव गृह (ग्रुप-7) सोविला माथुर सहित निदेशालय के अधिकारी और प्रदेश के सभी जिलों के गृह रक्षा कमांडेंट उपस्थित रहे।

# प्रदेश में हीटवेव का दौर शुरू

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** प्रदेश में हीटवेव का दौर शुरू हो चुका है। प्रदेश के 16 शहरों का दिन का पारा 37 डिग्री के पार दर्ज किया गया। पिलानी और बाड़मेर का दिन का पारा 40 पहुंच गया। 40.2 डिग्री के साथ पिलानी सबसे गर्म रहा। विशेष बात यह है कि जैसलमेर, बीकानेर और चूरू का दिन का पारा भी 40 डिग्री के नजदीक पहुंच गया। 11-12 जनवरी को उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ भागों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से तापमान में हल्की गिरावट होने की संभावना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में झुलसाने वाली गर्मी का दौर शुरू हो चुका है। शेखावाटी के साथ पश्चिम राजस्थान के अधिकांश शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री के नजदीक पहुंच गया। अजमेर, जयपुर, वनस्थली, पाली, जैसलमेर, जोधपुर, फलौदी, चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर, डूंगरपुर, जालोर, फतेहपुर और झुंझुनूं का दिन का पारा 37 डिग्री के पार रहा। 22 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। इसके अलावा बाड़मेर, संगरिया और बीकानेर का रात का पारा 20 डिग्री के पार दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के मध्य दर्ज किए जा रहे हैं जो की सामान्य से 4 से 9 डिग्री ऊपर है।

राज्य के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा आगामी दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री और बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। राज्य के दक्षिणी भागों में आगामी तीन दिन अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री दर्ज होने तथा 10-11 मार्च को दक्षिण-पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं हीटवेव दर्ज होने की संभावना है। राज्य के शेष अधिकांश भागों में आगामी तीन-चार दिन अधिकतम तापमान सामान्य से 4-8 डिग्री ऊपर जारी रहने की प्रबल संभावना है।

# 11 महिलाओं का सम्मान, उद्यम से जुड़ने का आव्हान

## उद्योग मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित समारोह में एक शहीद आश्रित की पुत्री को उद्योग प्रसार अधिकारी पद के लिए नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया

**उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित समारोह में उद्यम, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया।**

**जयपुर ( कासं )।** उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि महिलाओं की तरक्की के लिए सामाजिक जागरूकता बेहद जरूरी है और इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" योजना से देश में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे हैं।

आज महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और वर्ष 2014 के बाद महिला सशक्तीकरण को लेकर देश में नई सोच विकसित हुई है। उद्योग मंत्री रविवार को जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला सम्मान समारोह एवं परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे।

राठौड़ ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में गांव और कस्बों में महिलाओं द्वारा संचालित छोटे-छोटे उद्यमों का बड़ा योगदान होगा। कार्यक्रम के दौरान उद्यम, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी विशेष कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

मंत्री ने एक शहीद आश्रित की पुत्री को उद्योग प्रसार अधिकारी पद के लिए नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया। विभिन्न योजनाओं के तहत दो महिलाओं को ऋण के चेक, नौ महिलाओं को स्वीकृति पत्र और दो महिलाओं को राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) के माध्यम से भूमि आवंटन पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान एक लाइव गेम का आयोजन भी किया गया, जिसमें विजेताओं को एक ई-साइकिल और एक स्पोर्ट्स साइकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में ओडीओपी नीति के अंतर्गत आईसीईएस की 'कौशल वाहिनी-स्किल ऑन व्हील्स' को झंडी दिखाकर शिल्पकारों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में रीको की प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने स्वागत उद्बोधन दिया, जबकि राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त मनीषा अरोड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, आयुक्त सुरेश ओला सहित उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न उद्योग संगठनों की प्रतिनिधि महिलाएं भी मौजूद रहीं।

# एम.डी. और स्मैक सहित चार तस्कर गिरफ्तार

## 16 लाख की एमडी और 6.8 लाख की स्मैक बरामद

**जयपुर।** जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बडी कार्रवाई करते हुए एमडी और स्मैक की तस्करी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 162.98 ग्राम एमडी, 34.05 ग्राम स्मैक, 9730 रुपए नकद और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। बरामद मादक पदार्थों की कीमत करीब 22.80 लाख रुपए बताई जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि सीएसटी टीम ने गलता गेट, खो-नागोरियान और चित्रकूट थाना क्षेत्रों में संयुक्त कार्रवाई कर मादक पदार्थ तस्करों को पकड़ा। पहली कार्रवाई में गलता गेट थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय ऑटोमोबाइल नगर जाने वाले मार्ग पर पुलिस ने विकास (24) और भगत सिंह (25) को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 162.98 ग्राम एमडी और एक मोटरसाइकिल जब्त की।

दूसरी कार्रवाई में खो-नागोरियान थाना क्षेत्र में आरोपी अजय सिंह मीणा (24) को गिरफ्तार कर उसके पास से 29.57 ग्राम स्मैक और 9730 रुपए बरामद किए गए। तीसरी कार्रवाई चित्रकूट थाना क्षेत्र में की गई, जहां आरोपी मनोहर (26) को 4.48 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशे के कारोबार के खिलाफ इस लड़ाई में पुलिस का सहयोग करें और ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

# महिला से अभद्रता और मारपीट करने वाला गिरफ्तार

**जयपुर।** जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने शनिवार को सिंधी कैंप बस स्टैंड पर कार्रवाई करते हुए एक मनचले को गिरफ्तार किया है। आरोपी सार्वजनिक स्थान पर एक महिला मित्र को अपशब्द बोल रहा था और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा के नेतृत्व में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को ड्यूटी के दौरान यूनिट की टीम सदस्य सुमन, मुन्नी, ममता और शीला ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिंधी कैंप थाने के सहयोग से आरोपी को दबोचा।

# 3डी प्रिंटिंग और रोबोटिक्स से बोन ट्यूमर सर्जरी पर चर्चा

- आईएमएसओएस 2026-बीएमकॉन कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

**जयपुर।** भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एवं इंडियन मस्क्यूलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय आईएमएसओएस 2026-बीएमकॉन कॉन्फ्रेंस का समापन रविवार को सफलतापूर्वक हुआ। देश-विदेश से आए विशेषज्ञों की उपस्थिति में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन हड्डियों के कैंसर से जुड़े आधुनिक उपचार, नई तकनीकों और चिकित्सकीय अनुभवों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन मैलिग्नेंट बोन ट्यूमर-अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर विशेषज्ञों ने विस्तृत विचार साझा किए। इस सत्र में बोन कैंसर के उपचार में पिछले वर्षों में हुए बदलाव, वर्तमान में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

इसके साथ ही बोन सारकोमा के सर्जिकल मैनेजमेंट में 3-डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स और नेविगेशन तकनीक के उपयोग पर भी विशेषज्ञों ने जानकारी दी। वक्ताओं ने बताया कि इन अत्याधुनिक तकनीकों की मदद से सर्जरी अधिक सटीक, सुरक्षित और प्रभावी बन रही है, जिससे मरीजों के उपचार परिणाम बेहतर हो रहे हैं।

कॉन्फ्रेंस के दौरान रीजनल एनेस्थीसिया वर्कशॉप भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से नई तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस वर्कशॉप में एनेस्थीसिया से जुड़ी आधुनिक विधियों और उनके सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया, जिससे चिकित्सकों को अपने क्लिनिकल अभ्यास में इन तकनीकों को अपनाने में मदद मिल सके।

कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र में आयोजित एक्सपीरियंस शेयरिंग सेशन में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। डॉ. मनीष अग्रवाल ने अच्छी क्लिनिकल प्रैक्टिस की स्थापना पर अपने विचार रखे। डॉ. फिलिप पी. टी. फुनोविक्स ने लीगेसी को जारी रखना – द वियना स्टोरी विषय पर अपने संस्थान की यात्रा और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी, जबकि डॉ. आशीष गुलिया ने वर्क-लाइफ बैलेंस – मिथक या हकीकत विषय पर चर्चा की। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. अरविन्द ठाकुरिया ने बताया कि तीन दिनों तक चली इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में कुल 14 वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 44 आमंत्रित विशेषज्ञ वक्ताओं ने भाग लिया।

इसके अलावा 150 से अधिक फैकल्टी और 400 से अधिक प्रतिभागियों ने कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेते हुए अपने अनुभव साझा किए और मस्क्यूलोस्केलेटल कैंसर के नवीनतम उपचार तरीकों पर चर्चा की। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. प्रवीण गुप्ता ने विकसित कॉस्ट-इफेक्टिव इनोवेटिव टेक्निक्स विषय पर व्याख्यान दिया।

# अवैध हथियार सहित युवक को दबोचा

**जयपुर।** सिंधी कैंप थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक शातिर बदमाश को धारदार कटार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि जयपुर शहर में अवैध हथियारों की धरपकड़ और रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता और सहायक पुलिस आयुक्त धर्मवीर सिंह के सुपरविजन में सिंधी कैंप थाना प्रभारी माधोसिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने इलाके में निगरानी रखते हुए सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए राशिद मोहम्मद (32) निवासी कोटा को धारदार कटार के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में एएसआई सुरेश कुमार,कांस्टेबल सतवीर और श्रवण कुमार की विशेष भूमिका रही।

# आठ ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

**जयपुर।** जयपुर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' के तहत भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए स्मैक बेचते एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 8 ग्राम अवैध स्मैक और बिक्री के 1670 रुपए नकद बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि शहर में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर-द्वितीय) बजरंग सिंह शेखावत और सहायक पुलिस आयुक्त शास्त्री नगर सुरेंद्र सिंह के निर्देशन में भट्टा बस्ती थाना प्रभारी दीपक त्यागी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

# बीएमडब्ल्यू कार पलटने से शकुन ग्रुप के एमडी वल्लभ माहेश्वरी की मौत

- अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे पर रविवार शाम हुआ हादसा

**जयपुर/अलवर।** अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे पर रविवार शाम बीएमडब्ल्यू कार पलटने से शकुन ग्रुप के एमडी वल्लभ माहेश्वरी (62) की मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। माहेश्वरी जयपुर से गिरिराजजी (मथुरा) जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार हादसा रविवार शाम करीब 4 बजे एक्सप्रेस-वे के चेनेज 136.8 के पास हुआ। तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई और बैरिकेड्स तोड़ते हुए मीडियन में घुसकर पुलिया की दीवार से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सीमेंट के ब्लॉक तोड़ते हुए मीडियन पर अटक गई। हादसे के बाद राहगीरों और पुलिस ने दोनों को बाहर निकालकर पिनान अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अलवर के हरीश हॉस्पिटल रैफर किया गया। जहां डॉक्टरों ने वल्लभ माहेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार कार चालक को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद माहेश्वरी के शव को एंबुलेंस से जयपुर लाया गया है। वल्लभ माहेश्वरी शकुन ग्रुप की कई कंपनियों में डायरेक्टर थे।

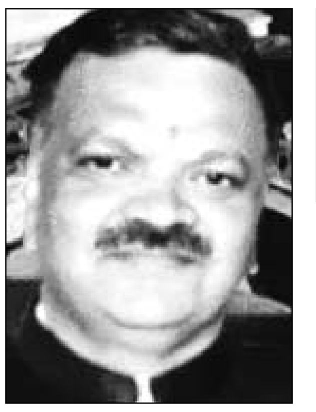

वल्लभ माहेश्वरी

# महिला सशक्तिकरण से राजस्थान बनेगा अग्रणी राज्य : जोगाराम पटेल

## अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला स्तरीय समारोह का हुआ आयोजन

**जयपुर ( कासं )।** नारी ही प्रगति की धुरी और महिला सशक्तिकरण से राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बनेगा। यह कहना है जयपुर जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का। पटेल ने हरीश चंद्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान के भगवत सिंह सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षिणक रूप से सशक्त तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिला ही सही अर्थों में राजस्थान को देश में अग्रणी राज्य बना सकती है।

जोगाराम पटेल ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर आगे बढ़ना चाहिए और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा समाज हित में किए जा रहे त्याग और समर्पण को भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रतिदिन 2 से 5 किलोमीटर तक पैदल चलकर छह वर्ष से कम आयु के बच्चों की मां के समान देखभाल करती हैं तथा किशोरियों और धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखती हैं। उनका यह समर्पण समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को सशक्त नारी, सशस्त्र राजस्थान थीम पर जिला प्रशासन जयपुर एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रमा देवी चौपड़ा ने कहा कि हमारे राष्ट्र की प्रमुख द्रौपदी मुर्मू एक आदिवासी महिला हैं। उन्होंने कहा कि घर को स्वर्ग बनाने वाली भी मातृशक्ति ही है और आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश और प्रदेश को प्रगति के पथ पर अग्रसर कर रही हैं। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों की प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (उत्तर) जयपुर मुकेश कुमार मूंड, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक राजेश डोगीवाल तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की उप निदेशक पार्थवी शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और महिलाओं के हित में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों की प्रतिनिधि उपस्थित रहीं।

**जयपुर जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला प्रशासन की ओर से आयोजित समारोह में महिलाकर्मियों को पुरस्कृत किया।**

# महिला दिवस पर पुलिस ने निकाला जयपुर में फ्लैग मार्च

**जयपुर।** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जयपुर पुलिस की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने शहर में फ्लैग मार्च निकालकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा व कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। अभियान के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, स्कूल-कॉलेजों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच के निर्देशन में महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की टीम ने शैक्षिणक संस्थानों, गर्ल्स हॉस्टल, मॉल, पार्क और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं और बालिकाओं को छेड़छाड़ व उत्पीड़न से बचाव के लिए कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

इस अभियान के दौरान विभिन्न बस स्टैंड, पार्क और सार्वजनिक स्थानों पर राजकॉप सिटीजन ऐप के क्यूआर कोड स्टिकर लगाकर करीब 1 हजार 705 महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही कई स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 7951 छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। पुलिस ने महिलाओं को 'नीड हेल्प' फीचर के साथ राजकोप सिटीजन ऐप डाउनलोड करने की जानकारी भी दी। इसके अलावा हेल्पलाइन के नंबर मोबाइल में सेव रखने की सलाह देते हुए किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।

**अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जयपुर पुलिस की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने शहर में फ्लैग मार्च निकालकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा व कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया।**

# मूर्तिकार महावीर भारती का सम्मान

**जयपुर।** स्वदेशी जागरण मंच, जयपुर प्रांत की ओर से आयोजित राष्ट्रीय परिषद की बैठक में विशेष उद्यमी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने न केवल आर्थिक प्रगति की, बल्कि समाज में स्वावलंबन और स्वरोजगार के नए मानक स्थापित किए हैं। इसी कड़ी में, भारती शिल्पकला के निदेशक और देश के प्रतिष्ठित मूर्तिकार महावीर भारती को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए उद्यमी सम्मान से नवाजा गया।

सम्मान ग्रहण करते हुए महावीर भारती ने कहा कि मूर्तिकला केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़यों के लिए इतिहास को सुरक्षित रखने का माध्यम है।

उन्होंने अब तक 100 से अधिक कला कर्मियों को प्रशिक्षित कर उन्हें कुशल शिल्पी बनाया है, जिससे मूर्तिकला के क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खुले हैं। अष्टधातु, पंचधातु, पीतल, कांस्य और फाइबर ग्लास जैसे माध्यमों में उनकी निपुणता ने युवाओं के लिए इस क्षेत्र को एक सम्मानजनक करियर के रूप में प्रस्तुत किया है।

# पावटा में गैस सिलेण्डर में आग लगने से घबराई महिला ने छत से छलांग लगाई

## महिला ने छह माह के बच्चे को पहले ऊपर से फेंका, नीचे खड़े लोगों ने बच्चे को सुरक्षित पकड़ लिया

**पावटा,** (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के भीमसेन चौक स्थित चौधरी भूरामल प्रभुदयाल जैन के नाम से दुकान है। दुकान के ऊपर बने मकान में शीतलाष्टमी से पहले घर में व्यंजन बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की लपटें देख घबराई महिला ने अपनी जान बचाने के लिए ऊपर से छलांग लगा दी। इससे पहले उसने अपने छह माह के मासूम पोते को ऊपर से नीचे खड़े लोगों की ओर फेंक दिया, जहां मौजूद दादा व लोगों ने तुरंत पकड़कर सुरक्षित बचा लिया।

अभिनंदन जैन ने बताया कि मेरी पत्नी इंदु जैन घर में शीतलाष्टमी के लिए व्यंजन बना रही थी। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई। आग देखकर महिला घबरा गई और अपनी जान बचाने के लिए स्थिति गंभीर देख महिला ने पहले अपने छह माह के पोते आगम जैन को नीचे खड़े लोगों की ओर फेंक दिया,

विराटनगर पालिका फायर बिग्रेड ने ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाया।

जिसे दादा अभिनंदन जैन व आसपास मौजूद लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद महिला ने भी ऊपर से छलांग लगा दी। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर महिला को संभाला। वहीं सूचना पर पहुंची विराटनगर पालिका फायर बिग्रेड द्वारा ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाने की कोशिश की गई व एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। वहीं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल भी मय टीम मौके पर पहुंचे व घटना का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि महिला को चोटें आई हैं, जिसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के दौरान इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन अग्निशमन कर्मियों व लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

- **शीतलाष्टमी के लिए व्यंजन बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई**
- **बताया जा रहा है कि महिला को चोटें आई हैं, जिसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया**

# अगरबत्ती की फैक्टरी में लगी आग, लाखों का सामान जला

चौमूं उपखंड के सामोद स्थित डेहरा औद्योगिक क्षेत्र में फैक्टरी में आग लगने से सामान जल गया।

**चौमूं/कालाडेरा,** (निसं)। चौमूं उपखंड के सामोद स्थित डेहरा औद्योगिक क्षेत्र में रविवार शाम को एक अगरबत्ती बनाने की फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जैसे ही आग लगी फैक्टरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई और चारों ओर धुआं फैल गया। स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। अग्निशमन के दमकलकर्मियों ने तुरंत आग बुझाने का काम शुरू किया।

- **प्रथम दृष्टया जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है**

जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में आग लगने से लाखों रुपये का सामान चलकर राख हो गया। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें भी मौके पर पहुंचीं और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई। आग लगने के कारणों का अभी तक आधिकारिक खुलासा नहीं हो पाया है। चौमूं अग्निशमन अधिकारी जय कुमार जांगिड़ ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि इसकी पुष्टि होना बाकी है। घटना स्थल पर चौमूं, जयपुर, और शाहपुरा की दमकलों से आग बुझाने का काम किया।

# ओवरलोड ट्रकों के संचालन के विरोध में ग्रामीणों का धरना जारी

**कोटपूतली,** (निसं)। निकटवर्ती ग्राम कुहाड़ा व पदमा की ढाणी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में ओवरलोड ट्रकों के संचालन के विरोध में ग्रामीणों द्वारा पिछले दो दिनों से लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द सुनवाई नहीं की तो आंदोलन को और तेज किया जायेगा। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पत्थरों से भरे ओवरलोड डम्परों का तेज गति से संचालन किया जा रहा है, जिससे आये दिन हादसे हो रहे हैं।

- **ओवरलोड ट्रकों से पत्थर गिरने व दुर्घटनाओं के कारण पशुओं तथा राहगीरों की जान को खतरा**

कोटपूतली के ग्राम कुहाड़ा व पदमा की ढाणी सहित ग्रामीण क्षेत्र में ओवरलोड ट्रकों के संचालन के विरोध में ग्रामीणों का धरना जारी है।

ग्रामीण कृष्ण गुर्जर ने बताया कि ओवरलोड ट्रकों से पत्थर गिरने व दुर्घटनाओं के कारण पशुओं तथा राहगीरों की जान को खतरा बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस, प्रशासन व परिवहन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से यह सब हो रहा है। इन ट्रकों से पशुओं, स्कूली बच्चों, राहगीरों व कृषकों की जान पर खतरा बना हुआ है। यदि प्रशासन ने जल्द कोई कार्रवाई नहीं की तो जन आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जायेगा। दो दिनों से जारी धरने में अभी तक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस दौरान कृष्ण गुर्जर, रामसिंह, महावीर प्रसाद, मनीराम योगी, जयराम बोपिया, देशराज, शेरसिंह, सोनू सिंह, जयराम पोसवाल, रूघा सिंह, विमल, सरपंच हंसराज, अंकुर, सन्तोष गुर्जर, मायाराम आदि धरने पर मौजूद रहे।

# चार हुक्काबारों पर दबिश

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता, बडगांव एवं सुखेर थाना क्षैत्र में पुलिस ने चार हुक्काबारों पर दबीश देकर मौके से 26 हुक्के, हुक्का उपकरण व सामग्री जब्त कर रेस्टोरेंट मैनेजर, कैफे संचालक सहित चार व्यक्तियों को डिटेन किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अम्बामाता थानाधिकारी दलपतसिंह राठौड़ मय टीम ने हनुमानघाट स्थित ब्ल्यूमून रेस्टोरेंट पर दबीश देकर मौके से 6 हुक्के, 5 हुक्के पिलाने के पाइप, 18 फ्लेवर के डिब्बे जब्त कर मौके से शांतिलाल को डिटेन कर प्रकरण दर्ज किया। इसी अभियान के दौरान अम्बावगढ़ स्थित कुराबड़ हिल रेस्टोरेंट पर बदीश देकर मौके से 3 हुक्के, तीन पाइप, चार चिलम व 9 फ्लेवर के डिब्बे जब्त कर महेन्द्र पुत्र बालकृष्ण को डिटेन कर प्रकरण दर्ज किया। वहीं बडगांव थानाधिकारी मय टीम ने टाईगर हिल बडगांव में स्थित द ग्रीम फार्म रेस्टोरेंट पर कार्रवाई करते हुए मौके से 13 हुक्के, 20 हुक्का पाइप, 30 पैकेट फ्लेवर व सिगरेट जब्त कर रोस्टोरेंट के मैनेजर निर्मल कुमार पुत्र देवराम निवासी मेघवाल बस्ती कांसोली स्वरूपगंज सिरोही को डिटेन कर प्रकरण दर्ज किया। वहीं सुखेर थानाधिकारी व डीएसटी की टीम ने फ्रेड जोन कैफे 100 फीट रोड़ शौभागपुरा सुखेर पर कार्रवाई करते हुए 4 हुक्के, 4 हुकका पाईप व 4 हचलम व 12 पैकेट फ्लेवर जब्त कर कैफे संचालक रामेन्द्र सिंह पुत्र प्रहलादसिंह को डिटेन कर प्रकरण दर्ज किया।

# चूरू में राजेन्द्र राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सीएम भजनलाल को चूरू की प्रसिद्ध चंदन की कलाकृति भेंट की।

**चूरू,** (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को चूरू दौरे के दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के आवास पर पहुंचे। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण के नेतृत्व में चंग बजाकर व पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर राठौड़ ने सीएम को चूरू की प्रसिद्ध चंदन की कलाकृति भेंट की। अपने स्वागत से अभिभूत हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा संगठन की ताकत उसके कार्यकर्ताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि चूरू की जनता भाग्यशाली हैं, जहां भाजपा के कदावर नेता राजेन्द्र राठौड़ का नेतृत्व है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आहवान किया कि डबल इंजन सरकार की जनहित की नितियां आमजन तक पहुंचायें। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान को विकास की मुख्यधारा में लाने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मुख्यमंत्री बनने के बाद यह चौथा प्रवास है। उन्होंने चूरू को कृषि महाविघालय, एलीवेटेड रोड़, सेटेलाईट अस्पताल जैसी अनेक सुविधाएं चूरू को दी। इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. वासुदेव चावला, लोकसभा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझड़िया, जिला महामंत्री चन्द्राराम गुरी, एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, पूर्व सभापति विजय कुमार शर्मा, पूर्व प्रधान विक्रम कोटवाद, प्रधान दीपचन्द राहड़, विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड़, निकिता गुर्जर ने भी मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, विजय कस्वां, निर्मल सैन, दौलतराम प्रजापत, सुप्यार सिंह, रामचन्द्र शर्मा ने मुख्यमंत्री को 31 किलो फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काछवाल, मोहन खारड़िया, जिला मंत्री दीनदयाल सैनी, अजीत मेघवाल, असलम डायर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# युवक गिरफ्तार

**जयपुर।** पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन आग के तहत कार्रवाई करते हुए खोराबीसल थाना पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध देसी कट्टा,एक जिंदा कारतूस और चार चले हुए खाली कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि इलाके में अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था । रविवार को गश्त के दौरान हेड कांस्टेबल रामप्रताप गुर्जर को सूचना मिली कि नांगल जैसा बोहरा क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल पर घूम रहा है। इस पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को डिटेन किया। पुलिस टीम ने जब युवक की तलाशी ली तो उसकी पैंट की जेब से एक देसी कट्टा और कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामकरण मीणा पुत्र गोपाल मीणा, निवासी बिलोद (चन्दवाजी) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त कर ली।

# भीलवाड़ा पुलिस की 10 विशेष टीमों ने तीन राज्यों से 28 तस्करों को पकड़ा

## राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश में एक साथ दबिश देकर कार्रवाई की

**भीलवाड़ा,** (निसं)। नशे के खिलाफ भीलवाड़ा पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी और संगठित कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत पुलिस की 10 टीमों ने राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश में एक साथ दबिश देकर एनडीपीएस एक्ट में वांछित 28 इनामी अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करों और लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन के नेतृत्व में 10 विशेष टीमों का गठन किया गया था। 18 फरवरी से शुरू हुए इस अभियान में पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और सटीक मुखबिरी के आधार पर जाल बिछाया।

पुलिस टीमों ने अंतरराज्यीय स्तर पर कार्रवाई करते हुए रेवन्त सिंह (बीकानेर), राजेश कुम्हार (नीमच, ), गोल्डी उर्फ बलकिंत सिंह (जींद, हरियाणा), बलदेव सिंह (लुधियाना), और वरुण कुमार (सिरसा, हरियाणा) जैसे कुख्यात तस्करों को दबोचा है। इसके अलावा जोधपुर, जैसलमेर, नागौर, चित्तौड़गढ़ और डीडवाना-कुचामन जिलों के वांछित अपराधी भी पकड़े गए हैं।

इस पूरे ऑपरेशन का सुपरविजन पुलिस निरीक्षक राजूराम काला द्वारा किया गया। टीम में एएसआई आशीष कुमार, महिपाल, नेतराम, अर्जुन सिंह, सांवरमल, धर्मेन्द्र सिंह, उमराव अली सहित सायबर सेल और तकनीकी विशेषज्ञों का विशेष योगदान रहा। गोपनीय सूचना संकलन और तकनीकी विश्लेषण के कारण ही पुलिस अपराधियों के छिपने के ठिकानों तक पहुँच सकी। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जिला पुलिस मादक पदार्थों की सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह अभियान अभी थमा नहीं है, बल्कि निरंतर जारी रहेगा। भविष्य में भी फरार अपराधियों और नशे के बड़े सौदागरों के खिलाफ इसी तरह की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# बदमाशों ने ऑटो चालक से लूटपाट की

**गंगापुर सिटी,** (निसं)। लालपुर-उमरी मार्ग पर शनिवार रात दो अज्ञात बदमाशों ने एक ऑटो को कट्टे की नोक पर रुकवाकर लूटपाट की। बदमाशों ने ऑटो ड्राइवर का मोबाइल फोन छीन लिया और महिलाओं से भी लूट की कोशिश की। हालांकि इसी दौरान पीछे से दो बाइक सवारों के आ जाने पर बदमाश मौके से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार मीणा पाड़ा निवासी एक परिवार गंगापुर सिटी में एक शादी समारोह से ऑटो में सवार होकर अपने घर लौट रहा था। ऑटो में ड्राइवर के साथ कुछ अन्य सवारियां भी मौजूद थीं। लालपुर और उमरी के बीच सुनसान मार्ग पर पीछे से आए दो बाइक सवार युवकों ने ऑटो के आगे अपनी बाइक लगाकर उसे रोक लिया। दोनों बदमाशों ने अपने चेहरे स्कार्फ से ढके हुए थे और उनके पास देसी कट्टा था। उन्होंने ड्राइवर को धमकाकर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। छीने गए मोबाइल की कीमत करीब 19 हजार रुपए बताई जा रही है। इसी दौरान पीछे से दो अन्य बाइक सवार वहां पहुंच गए। उन्हें देखते ही बदमाशों ने एक बाइक सवार पर कट्टा तान दिया और तुरंत मौके से फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाश पहले सवाई माधोपुर रोड की ओर भागे और फिर गंगापुर सिटी की दिशा में जाते हुए देखे गए।

# बंदूक के साथ आरोपी गिरफ्तार

**टोंक,** (निसं)। निवाई पुलिस ने भांवता गांव से एक आरोपी को अवैध टोपीदार बंदूक के साथ गिरफ्तार किया है। निवाई थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि थाना की गठित टीम ने गश्त के दौरान की गई कार्रवाई में आरोपी सुरेश पुत्र कल्याण बावरिया को संदिग्ध अवस्था में देखकर उससे पूछताछ के बाद एक बंदूक जब्त की।

# शाहपुरा : फूलडोल महोत्सव में श्रीवाणी जी की शोभायात्रा निकाली

भीलवाड़ा के पास शाहपुरा में निकले फूलडोल महोत्सव में आस्था का जन सैलाब उमड़ा। वहीं भक्तों ने श्रीवाणी जी की शोभायात्रा निकाली।

**शाहपुरा,** (निसं)। फूलडोल महोत्सव के तहत रविवार को धूमधाम के साथ श्रीवाणी जी की शोभायात्रा राम मेडिया से निकाली गई। शोभायात्रा राम मेड़िया से शुरू होकर मुख्य मार्ग से होते हुए रामनिवास धाम पहुंची। वहीं बारादरी में विभिन्न गांव के भक्तों की ओर से जय जयकार लगाकर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में नगरवासी, भक्तजनों ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। वहीं त्रिमूर्ति चौराहे पर जिला शाहपुरा संघर्ष समिति, अधिवक्ताओं ने एवं शहरवासियों ने कार्यकर्ताओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया।

- **शोभायात्रा राम मेड़िया से शुरू होकर मुख्य मार्ग से होते हुए रामनिवास धाम पहुंची, बारादरी में विभिन्न गांव के भक्तों ने जयकार लगाकर स्वागत किया**

जानकारी के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के आचार्य जगतगुरु रामदयाल महाराज का अगला चातुर्मास भीलवाड़ा में होगा। रविवार पंचमी तक आठ शहरों से सोड़ा, भीलवाड़ा, मानवत महाराष्ट्र, शाहपुरा, कोटा, जयपुर, केकड़ी सहित कई स्थानों की अर्जियां लगी सभी भक्तजनों द्वारा बारादरी में विराजमान आचार्य रामदयाल महाराज के समक्ष अपने-अपने शहर में चातुर्मास करने की आवाज लगी, जिसमें आचार्य ने मुहूर्त के हिसाब से देखते हुए भीलवाड़ा में आगामी चातुर्मास करने की घोषणा की। भीलवाड़ा के भक्तजनों को गोटका प्रदान किया। स्वामी रामदयाल महाराज ने धर्मसभा में प्रवचन में कहा कि सबको अपने जीवन में धर्म का पालन करना चाहिए, जानवर भी धर्म का पालन करते हैं, लेकिन मनुष्य कभी भी धर्म का पालन सही तरीके से नहीं करता है। वह अधर्म करता है। गीता जैसे पवित्र ग्रंथ पर हाथ रखकर शपथ लेने के बाद भी अधर्म करते हैं। स्वामी रामदयाल महाराज ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं हो सकता, इसलिए सदैव धर्म का पालन करते हुए सत्य की राह पर चलना चाहिए क्योंकि अंत में सत्य की विजय श्री होती है।

# अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कोटा में निकाली साइकिल रैली

## 200 साइकिल सवारों ने रैली से महिला सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया

**कोटा,** (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोटा शहर में महिला सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश देती साइकिल रैली का आयोजन किया गया। "पेडल फॉर साइकिल" और "कोटा ग्रीन कम्युनिटी" के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रैली में शहर की अनेक महिला साइकिलिस्टों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज को सकारात्मक संदेश दिया।

- **रैली के दौरान महिलाओं ने आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शहर की सड़कों पर साइकिल चलाई**

आयोजक हेमंत छाबरिया और प्रणव राज सिंह खींची ने बताया कि रैली महावीर नगर से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक, नयापुरा पर संपन्न हुई। लगभग 200 साइकिल सवारों ने इसमें भाग लिया। रैली के दौरान महिलाओं ने आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शहर की सड़कों पर साइकिल चलाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा उपस्थित रहीं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में ऊषा बरदवा, आशिमा गोयल, प्रेम कंवर शक्तावत, ज्योत्सना खींची, नेहा शक्तावत, अचला त्रिपाठी, अंशु खंडेलवाल, श्वेता जैन, ममता शर्मा, गीतिका, वंदना, एकता कश्यप तथा डॉ.अर्चना मित्तल शामिल रही। इन सभी को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान पुलिस की विशेष "कालिका पेट्रोलिंग यूनिट" ने भी भागीदारी की।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा ने बताया कि यह यूनिट महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए गठित विशेष महिला सुरक्षा इकाई है, जो नीली वर्दी और काली स्कूटी के साथ शहर में तैनात रहती है। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में छात्राएं और महिलाएं 1090 (महिला हेल्पलाइन) या 112 पर कॉल कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के सदस्य आशिमा गोयल, चंद्रेश शर्मा, रितेश जैन, रामावतार सुमन, कृष्णा पराशर, मनोहर द्विवेदी और पंकज शर्मा की विशेष भूमिका रही। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को समाज में आगे बढ़ने और अपनी पहचान स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

हम पहले बल्लेबाजी करने पर खुश हैं। हम बल्लेबाजी ही करना चाह रहे थे। पिछले मैच में भी हमने यही किया और अच्छा प्रदर्शन किया। जब भी आप सेमीफाइनल या फाइनल खेलते हैं तो स्कोर बोर्ड पर रन होना है हमेशा अच्छा रहता है। - सूर्य कुमार यादव

भारतीय कप्तान, टीम की परफॉर्मेंस को लेकर बोलते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

## ब्रेट रैंडेल

**ब्रेट रैंडेल** ने पांच गेंदों में पांच विकेट लिए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स और नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के बीच नेपियर के मैकलीन पार्क में खेले जा रहे मुकाबले में रैंडेल ने पहली पारी में लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट झटक लिए। न्यूजीलैंड के घरेलू टूर्नामेंट प्लंकेट शील्ड में 8 मार्च को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के ब्रेट रैंडेल नाम के तेज गेंदबाज ने इतिहास रच दिया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में पहली बार किसी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटके हैं।

**क्या आप जानते हैं ?...** मार्च 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में, भारत टी-20 में 50 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाली पहली टीम बनी।

# टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर ध्वस्त किया 19 साल का तिलिस्म

अहमदाबाद, 8 मार्च। भारत ने न्यूजीलैंड को टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में हराकर चैंपियन बन गई है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतने न्यूजीलैंड को 96 रनों से करारी शिकस्त दी है। वहीं भारत के लिए संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और आखिरी में शिवम दुबे ने बेहतरीन पारी खेली। वहीं भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 255 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और 19 ओवर में सभी विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 4, अक्षर पटेल ने तीन विकेट लिए। भारत ने लगातार दूसरी बार टी0 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। वहीं टीम इंडिया तीन बार टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतने वाली टीम बन गई है। भारत के लिए संजू सैमसन ने 46 गेंद पर 89 रन बनाए। वहीं अभिषेक शर्मा ने 21 गेंद पर 52 रन बनाए। इशान किशन ने 25 गेंद में 54 रन बनाए। हार्दिक पंड्या ने 13 गेंद पर 18 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव खाता नहीं खोल पाए। तिलक वर्मा 8 और शिवम दुबे 8 गेंद पर 26 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं न्यूजीलैंड के लिए टिम सीफर्ट ने 26 गेंद पर 52 रन बनाए। मिचेल सैंटनर ने 35 गेंद पर 43 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने 17 रन बनाए। फिन एल ने 9, जिमी निशाम में 8, लॉक फर्ग्यूसन ने नाबाद 6, ग्लेन फिलिप्स ने 5, मार्क चैपमैन और जैकब डफी ने 3-3 रन बनाए। वहीं रचिन रविंद्र 1 और मैट हेनरी बिना खाता खोले आउट हुए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट लिए। अक्षर पटेल ने 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या, वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा ने -1 विकेट अपने नाम किया।

# अभिषेक ने रचा इतिहास, फाइनल में ये तीन रिकॉर्ड ध्वस्त कर जड़ दी सबसे तेज फिफ्टी

अहमदाबाद, 8 मार्च। टीम इंडिया के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में रिकॉर्ड्स की जड़ी लगा दी है। जहां पूरे टूर्नामेंट में उनका बल्ला फ्लॉप रहा वहां फाइनल में उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की। अभिषेक ने महज 21 गेंदों में 52 रन की तूफानी पारी खेली और कई सारे कीर्तिमान बना डाले। इस मैच में उन्होंने मात्र 18 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया था। इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। यहां जान लीजिए फाइनल मैच में अभिषेक ने कौन से 3 रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। अभिषेक 21 गेंद में 52 रन बनाकर आउट हुए।अभिषेक शर्मा ने तोड़े 3 बड़े रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा ने 18 गेंद में अपनी अर्धशतक पूरा किया। वो टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन का रिकॉर्ड तोड़ा है। क्लासेन ने 2024 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ 23 गेंद में फिफ्टी लगाई थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस फाइनल मैच में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने मिलकर पावरप्ले में ही 92 रन बना दिए। ये टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में पावरप्ले का सबसे बड़ा स्कोर है। पहले 6 ओवरों में ही अभिषेक अपना पचासा पूरा कर चुके थे। इससे पहले वेस्टइंडीज भी वर्ल्ड कप मैच के पावरप्ले में 92 रन बना चुकी है लेकिन उसने एक विकेट खोकर ये मुकाम हासिल किया था, जबकि टीम इंडिया ने बिना विकेट गंवाए ऐसा किया है। इसके अलावा अभिषेक ने 18 गेंद में फिफ्टी पूरी कि जो टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है। वर्ल्ड कप में सबसे तेज पचासा जड़ने का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 12 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। केएल राहुल वर्ल्ड कप में 18 गेंद में फिफ्टी जड़ चुके हैं। अभिषेक ने उनकी बराबरी क ली है।

### टी-20 वर्ल्डकप की क्लोजिंग सेरेमनी

## रिकी मार्टिन की 28 साल बाद इंडिया में परफॉर्मेंस

अहमदाबाद, 8 मार्च। टी-20 वर्ल्ड कप की क्लोजिंग सेरेमनी नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शानदार अंदाज में हुई। इस दौरान मशहूर पॉप स्टार रिकी मार्टिन ने करीब 28 साल बाद भारत में परफॉर्म किया। उन्होंने इससे पहले 1998 में दिल्ली में परफॉर्म किया था। उनके हिट गाने द कप ऑफ लाइफ के आले-आले पर पूरा स्टेडियम झूम उठा। क्लोजिंग सेरेमनी में भारतीय कलाकारों ने भी शानदार प्रस्तुति दी। सिंगर सुखबीर सिंह और फाल्गुनी पाठक के गानों पर स्टेडियम में मौजूद फैंस जमकर नाचते नजर आए। संगीत, रोशनी और आतिशबाजी के साथ कार्यक्रम ने फाइनल मैच से पहले माहौल को और भी शानदार बना दिया। मार्टिन के आले-आले पर झूमे फैंस आले-आले मार्टिन के फेमस गाने द कप ऑफ लाइफ की प्रसिद्ध लाइन है। यह गाना 1998 में रिलीज हुआ था और 1998 वर्ल्ड कप का आधिकारिक गीत था। गाने की यह लाइन खेलों के दौरान उत्साह और जश्न का प्रतीक बन गई है। दुनिया भर में फुटबॉल और अन्य बड़े खेल आयोजनों में फैंस अक्सर आले, आले, आले गाकर अपनी टीम का हौसला बढ़ाते हैं।

## संजू सैमसन ने फाइनल में कर दिखाया कमाल कोहली-अफरीदी के क्लब में की एंट्री

अहमदाबाद, 8 मार्च। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में धमाकेदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इस टूर्नामेंट में लगातार तीन फिफ्टी पारी खेली। संजू ने अहमदाबाद में 33 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। इसके साथ ही वह टी20 वर्ल्डक के एक सीजन में सेमीफाइनल और फाइनल में अर्धशतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी और भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ये कारनामा कर चुके हैं।

## विधानसभा कर्मचारी एकादश को हरा आईएएस एकादश पहुंची फाइनल में

जयपुर, 8 मार्च। आइएएस एकादश ने तीन दिवसीय मैत्री क्रिकेट मैचों में रविवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित क्रिकेट अकादमी में देर शाम को विधानसभा कर्मचारी एकादश को सात विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। जहां उनका मुकाबला सोमवार शाम 5.30 बजे विधायक एकादश से होगा। विधानसभा कर्मचारी एकादश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 111 रन बनाए। नवीन ने नाबाद सर्वाधिक 24 रनों का योगदान दिया। दीपक और सोमेन्द्र ने 20-20 रन बनाए, जबकि अपूर्व ने 13 रनों का योगदान दिया। जवाब में आईएएस एकादश ने राधेश्याम डेलू के 56 रनों की मदद से तीन विकेट खोकर विजयलक्ष्य प्राप्त कर लिया। उपमन्यू ने 15 रनों पर अविजित लौटे। इस दौरान टेस्ट क्रिकेटर हरभजन सिंह भी क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर आए और थोड़ी देर मैच भी देखा और खिलाड़ियों से भी मिले। मैन ऑफ़ द मैच आईएएस एकादश के राधेश्याम डेलू रहे। उन्हें संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक रफीक ख़ान एवं रतन देवासी ने ट्रॉफी प्रदान की।सभी मंत्रीगण, विधायकगण, उपस्थित खिलाड़ी एवं सपोर्ट स्टाफ टी-20 वर्ल्ड कप मैच का भी बड़ी स्क्रीन पर आनंद लिया।

## जापान ने दागे 11 गोल, भारतीय महिला फुटबॉल टीम को मिली अब तक की सबसे शर्मनाक हार

नई दिल्ली, 8 मार्च। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चैंपियन जापान से 0-11 से करारी हार का सामना करना पड़ा। फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था। टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5-0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल दागे। जापान ने जिस अंदाज में दबदबा बनाया उससे दोनों टीमों के स्तर में भारी अंतर साफ नजर आया और यह भी दिखा कि शीर्ष स्तर की टीमों से मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है।

2014 और 2018 के चैंपियन जापान ने मैच में एकतरफा अंदाज में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में ही चला। चार महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच खेले बिना टूर्नामेंट में उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में किसी क्लब टीम की तरह संघर्ष करती दिखी। जापान के लिए युजुकी यामामोटो (चौथे मिनट), युई हसेगावा (13वें), हिनाता मियाजावा (20वें, 35वें, 81वें), किको सेइके (45 5वें, 55वें), रिको उईकी (47वें, 50वें, 65वें) और माया हिजिकाता (62वें) ने गोल दागे। इस करारी हार के बाद भारत ग्रुप सी में शून्य अंक और माइनस-12 गोल अंतर के साथ तालिका में सबसे नीचे है। यह नतीजा भारत की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म नहीं करता। भारतीय टीम मंगलवार को अगर अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीनी ताइपे को दो गोल के अंतर से हरा देती है और कुछ अन्य परिणाम उसके मुताबिक रहे तो वह ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच सकती है।

## राजस्थान यूथ बनी चैम्पियन, सुराना एकेडमी उपविजेता, शुभम पटवाल का नाबाद

### के.एल. सैनी 'ए' डिवीजन लीग

जयपुर, 8 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज खेले गए अंतिम लीग मैच में राजस्थान यूथ ने पी एंड टी क्रिकेट क्लब को 7 विकेट से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता में लगातार 7 जीत दर्ज चैंपियनशिप जीती। पी एंड टी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आदर्श शर्मा के 61 रन, विनीत सक्सेना के 67 रन व रवि शर्मा के 28 रनो से 35.5 ओवर में 217 रन बनाए। राजस्थान यूथ के लिए शुभम खंडेलवाल ने 41 पर 3, रोहन सिंह ने 34 पर 2, गौरव पुनिया ने 47 पर 2 व हिमांशु राणा ने 27 पर एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में राजस्थान यूथ ने। शुभम पटवाल के नाबाद शतक 128 रन (64 गेंद 12 चौके व 9 छक्के), जयंत ताम्बी के 40 रन, भावित कुमावत के 20 रन व कुमार वासुदेव के 28 रन नाबाद से 28.1 ओवर में 3 विकेट पर 223 रन बनाकर मैच जीत लिया। पी एंड टी क्रिकेट क्लब के लिए रवि शर्मा ने 2 व चंद्रपाल सिंह ने एक विकेट लिया।

प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर, पूर्व रणजी कप्तान राहुल कांवट, पूर्व आर सी ए उपाध्यक्ष मोहम्मद इकबाल, जे डी सी ए तदर्थ समिति के कन्वीनर सुरेश शर्मा , सदस्य आनंद सिंह राठौड़, राजेश ताम्बी , माधव मित्र , महेश सैनी, मेघराज यादव, रोहित झालानी, प्रतियोगिता के कन्वीनर ओम शर्मा ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर सुरेंद्र राठौड़, श्रीवास मंडल, रणजीत सैनी, तपेश कौशिक सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज भावित कुमावत (राजस्थान यूथ), सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज अभिजय भंडारी (चंबल स्पोर्ट्स), मैन ऑफ दि सीरीज आदित्य टांक (यूनियन क्रिकेट क्लब) तथा उदयमान खिलाड़ी राजस्थान यूथ के गौरव पुनिया (13 वर्ष) रहे।

## लक्ष्य सेन का कमाल, रोमांचक सेमीफाइनल में विक्टर लाई को हराकर फाइनल में एंट्री

नई दिल्ली, 8 मार्च। इंग्लैंड में खेले जा रहे प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने कनाडा के विक्टर लाई को कड़े मुकाबले में हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया है। मौजूद जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय लक्ष्य सेन ने यह मुकाबला 21-16, 18-21, 21-15 से अपने नाम किया है। यह मैच लगभग एक घंटा 37 मिनट तक चला और इसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और थकाऊ रैलियां देखने को मिली हैं। बता दें कि लक्ष्य सेन इससे पहले वर्ष 2022 में भी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच चुके हैं।

गौरतलब है कि इस उपलब्धि के साथ लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के इतिहास में दूसरी बार फाइनल में पहुंचने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि भारतीय बैडमिंटन के दिग्गज प्रकाश पादुकोण के नाम दर्ज है। मौजूद जानकारी के अनुसार प्रकाश पादुकोण 1980 और 1981 में इस टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे थे और 1980 में उन्होंने खिताब भी जीता था। शनिवार को खेला गया सेमीफाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा है। दोनों खिलाड़ियों के बीच कई बार बेहद लंबी रैलियां हुईं, जिनमें कुछ रैलियां 50 से ज्यादा शॉट तक चली हैं। ऐसे में मुकाबला केवल कौशल ही नहीं बल्कि धैर्य और फिटनेस की भी कड़ी परीक्षा बन गया है। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर रही है। स्कोर एक समय 17-16 पर पहुंच गया था और लक्ष्य सेन केवल एक अंक से आगे चल रहे थे।

## टीम जयपुर ने जीता एसएमएस गोल्ड वास कप टूर्नामेंट

### जयपुर पोलो सीजन 2026

जयपुर, 8 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत रविवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर एसएमएस गोल्ड वास (आउट ऑफ हैट) कप टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल मैच का आयोजन हुआ। इस मुकाबले में टीम जयपुर ने कृष्णा पोलो को 6-5.5 के स्कोर से शिकस्त देकर विजय हासिल की। टीम जयपुर से हर्षोदय सिंह ने टूर्नामेंट के मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर का खिताब जीता। विजेता टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 गोल दागे। वहीं, योगेंद्र सिंह ने 1 गोल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में हर्षोदय सिंह और दिव्यमान सिंह दूजोद भी शामिल रहे। दूसरी ओर, टीम कृष्णा पोलो से विशाल सिंह राठौड़ ने 3 गोल हासिल किए। टीम के लिए सिद्धांत सिंह और अश्विनी शर्मा ने 1-1 गोल किया। यशोवर्धन सिंह गुलर भी टीम से खेले। यहां टीम कृष्णा पोलो को आधे गोल का एडवांटेज प्राप्त हुआ। सोमवार, 9 मार्च से श्रीसीमेंट कप की शुरूआत होगी। इस कप का फाइनल रविवार, 15 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला जाएगा।

## फाइनल देखने अहमदाबाद पहुंचे धोनी

अहमदाबाद, 8 मार्च। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मैच खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को तो वहीं न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने वानखेड़े स्टेडियम में करीबी मुकाबले में इंग्लैंड को सात रनों से हराया। इस दौरान स्टेडियम में भारत के पूर्व क्रिकेटर एमएस धोनी, रोहित शर्मा और कई खिलाड़ी टीम को सपोर्ट करने के लिए मौजूद रहे। वहीं टीम इंडिया का उत्साह बढ़ाने के लिए पूर्व क्रिकेटर एमएस धोनी भी अहमदाबाद पहुंचे हैं। एमएस धोनी रविवार सुबह अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुएथाई खिलाड़ियों ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से की मुलाकात, खिलाड़ियों को दिया प्रोत्साहन

जयपुर, 8 मार्च। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को मुएथाई खेल के खिलाड़ियों ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से मुलाकात कर उन्हें महिला दिवस की बधाई दी। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया जिन्होंने मुएथाई खेल में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। एशियाई ओलंपिक यूथ गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ी मुदित गुप्ता को बधाई देते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर श्रीराम मार्शल आर्ट के निदेशक और खिलाड़ियों के मेंटर श्रीराम चौधरी ने उपमुख्यमंत्री को मोमेंटो और मैगजीन भेंट की तथा मुएथाई खेल के बारे में जानकारी दी। दिया कुमारी ने खिलाड़ियों को इस खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हाल ही में हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय मुएथाई चैंपियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 33 स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यूनाइटेड मुएथाई एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव श्रीराम चौधरी के निर्देशन में राजस्थान ने प्रतियोगिता में पहला रनरअप खिताब भी हासिल किया।

# 'राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण व सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है'

## मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ में 1000 करोड़ रु. के विकास कार्य शुरु किए व लाडो प्रोत्साहन पोर्टल लाँच किया

हनुमानगढ़ /जयपुर,8मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं समाज की वह धुरी हैं, जिसके सशक्त होने से ही समाज प्रगति और देश विकास करता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला अधिकार, सम्मान और समान अवसरों के प्रति जागरूकता का आह्वान करते हुए आधी आबादी की शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया।

शर्मा रविवार को हनुमानगढ़ के धान मंडी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आधी आबादी के सशक्तिकरण और उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। राज्य में 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गईं हैं। वहीं, 1 लाख 39 हजार स्वयं सहायता समूहों को 679 करोड़ रुपये की आजीविका सहायता उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत सात किस्तों में डेढ़ लाख रुपये की राशि दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी अंचलों का विकास सुनिश्चित कर रही है। वित्तीय वर्ष बजट 2026 में गेहूं की एमएसपी पर 150 रुपये के अतिरिक्त बोनस से गंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र के किसानों को विशेष रूप से लाभ होगा। वहीं, आईजीएनपी और गंगनहर में पुनर्निर्माण और फिरोजपुर फीडर विकास कार्य से किसानों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ में खालों के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये भी दिए है।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को हनुमानगढ़ की धान मंडी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया।*

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार डीबीटी के माध्यम से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं को सुनिश्चित कर रही है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पेट्रोल और डीज़ल के मूल्य में कमी कर श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों को बड़ी राहत दी है।

इस दौरान शर्मा ने हनुमानगढ़ में 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने लाडो प्रोत्साहन योजना पोर्टल लॉन्च किया। लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना और बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से राशि का अंतरण किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने महिलाओं से जुड़ी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह भी कहा कि हनुमानगढ़ के खालों के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपए दिये गये हैं, जिससे किसानों की समृद्धि का मार्गप्रशस्त होगा।
- उन्होंने लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना, बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना व लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से राशि अंतरण किया।

## बाइक सवार परिवहन विभाग के उड़नदस्ते की चपेट में आया

जयपुर, 8 मार्च। विश्वकर्मा थाना इलाके में दिल्ली -अजमेर हाईवे पर रोड नंबर -14 के समीप रविवार दोपहर करीब 1 बजे रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस की गाड़ी की चपेट में आने एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए हाईवे जाम कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से समझाईश कर मामला शांत कराया।

- स्थानीय लोगों ने विरोध में रास्ता जाम किया।

थानाधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया कि रविवार दोपहर 1 बजे के करीब विश्वकर्मा 14 नंबर पुलिया के पास ताला गांव निवासी गौतम मीना (27) रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस की गाड़ी के चपेट में आ गया। बताया जा रहा है कि बाइक सवार युवक बिना हेलमैट पहने अपनी बाइक के पीछे सीमेंट का कट्टा बांध कर जा रहा था और फर्स्ट लाइन में चलते -चलते अचानक से डिवाइडर की ओर आ गया, तभी पीछे से आ रही आरटीओं सेकेंड उड़नदस्ते की गाड़ी ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद परिवहन निरीक्षक सकीला बानो उड़नदस्ता गार्ड के साथ घायल गौतम को लेकर पहले तो सीके बिड़ला अस्पताल और बाद में सवाई मानसिंह हॉस्पिटल पहुँची। बताया जा रहा है की घायल युवक की हालत खतरे से बाहर है।

# ईरान के ड्रोन हमले से कुवैत के एयरपोर्ट फ्यूल डिपो में आग लगी

## सीएनएन के अनुसार कुवैत की जिस सरकारी बिल्डिंग पर हमला हुआ वह होटल फोर सीज़न्स के पास है

कुवैत सिटी, 08 मार्च। अमेरिका-इज़रायल के ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच कुवैत पर बड़ा ड्रोन हमला हुआ है। कुवैत ने कहा कि ड्रोन से सरकारी इमारत को निशाना बनाया गया। ड्रोन हमले में एयरपोर्ट के फ्यूल डिपो में भयंकर आग लग गई।

कुवैत की सरकारी न्यूज़ एजेंसी (कुना) के हवाले से सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कुवैत में एक सरकारी बिल्डिंग को ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया। यहां पब्लिक इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल सिक्यूरिटी का हेडक्वार्टर भी है। हमले में इस स्थान की सामग्री को नुकसान पहुंचा है। यह बिल्डिंग लगभग 22 मंजिला है और कुवैत सिटी सेंटर के पॉश अल सूर डिस्ट्रिक्ट में है। इसके बगल में होटल फोर सीज़न्स है। यहां से कुछ फासले पर हैं।

पब्लिक इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल सिक्योरिटी के कार्यवाहक निदेशक ने बताया कि बिल्डिंग के कई गार्ड्स को सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डेटा सुरक्षित है। इसके अलावा कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो फ्यूल डिपो पर भी ड्रोन हमला हुआ।उनमें से एक में भयंकर आग लग गई। कुवैत फायर फोर्स ने कहा कि टीम अभी सरकारी बिल्डिंग और फ्यूल डिपो में लगी आग बुझाने का काम कर रही है। कुना का कहना है कि यह हमला ऐसे समय पर हुआ, जब कुवैत का एयर डिफेंस दुश्मन ड्रोन की लहर का सामना कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि ईरान ने माफी मांगने के बावजूद फारस की खाड़ी के देशों पर बमबारी की है। इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की कि सेंट्रल बेरूत में रमाडा होटल की बिल्डिंग के एक अपार्टमेंट पर इज़रायली हमले में कम से कम चार लोग मारे गए और दस अन्य घायल हो गए। हैरानी की बात है कि इज़रायल ने हिजबुल्लाह के नियंत्रण वाले दक्षिणी इलाकों के बजाय मध्य बेरूत के बीचों-बीच हमला किया।

- सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रविवार को ईरान के हमले में 21 ड्रोन इन्टरसैप्ट किए गए। बहरीन के मीना सलमान बंदरगाह पर एक जगह आग लगी।

## संसद सत्र का दूसरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रस्तुत किया था, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष पर पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्य करने का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की गई थी। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, वामपंथी दलों और अन्य दलों के सदस्यों सहित 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए थे। चर्चा के दौरान ओम बिरला अध्यक्षीय आसन पर नहीं बल्कि सदन में सत्तापक्ष के सदस्यों के साथ मौजूद रहकर अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का जवाब दे सकेंगे। सदन की कार्यवाही उपाध्यक्ष या पैनल ऑफ चेयरपर्सन में शामिल सदस्य संचालित करते हैं। फिलहाल लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद खाली है, ऐसे में पैनल में शामिल सांसद ही कार्यवाही का संचालन करेंगे।

## राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिला मजिस्ट्रेट, सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर और एडिशनल जिला मजिस्ट्रेट इसके लिए जिम्मेदार हैं। उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है?

केंद्रीय गृह सचिव ने इस पर जवाब मांगा है। केंद्र और टीएमसी सरकार के बीच यह टकराव राष्ट्रपति मुर्मू के दौरे को लेकर हुआ है।

भाजपा का आरोप है कि ममता बनर्जी की राज्य सरकार ने राष्ट्रपति की बेइज्जती की। वहीं, ममता बनर्जी ने बंगाल की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा पर देश के सबसे बड़े पद का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने बंगाल में हुए कार्यक्रम को लेकर नाराजगी जताई थी। उन्होंने हैरानी जताई थी कि उनके दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने उनसे क्यों मुलाकात नहीं की?

इसके अलावा उन्होंने कहा था कि आम तौर पर राष्ट्रपति आ रहे होते हैं, तो मुख्यमंत्री को स्वागत करना चाहिए। दूसरे अन्य मंत्रियों को भी मौजूद रहना चाहिए। लेकिन वह नहीं आईं। गवर्नर बदल गए हैं। नहीं आ सके। लेकिन क्योंकि तारीख तय हो गई थी, इसलिए मैं आई हूं।

## तीसरे दिन भी जारी रहा ममता बनर्जी का धरना

कोलकाता, 08 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एसआईआर के बाद मतदाता सूची में कथित मनमाने तरीके से नाम हटाए जाने के विरोध में चल रहा धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। टीएमसी सुप्रीमो ने भाजपा पर वैध मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने के लिए चुनाव आयोग का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है, जब राज्य विधानसभा चुनावों से पहले चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने के लिए चुनाव आयोग की पूरी पीठ कोलकाता पहुंचने वाली है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक नींव पर अभूतपूर्व और प्रत्यक्ष हमला हो रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने "एक राष्ट्र, एक नेता, एक पार्टी" के उन्माद में, अपने जन-विरोधी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर लोकतांत्रिक संस्था और संवैधानिक पद को व्यवस्थित रूप से हथियार बना रही है।

## देश की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी देश के विकास के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, उन्हें सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

## शंकराचार्य पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ब्रह्मचारी ने ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर अपनी जान बचाई। इस हमले में आशुतोष महाराज को कई जगह चोट आई है।

आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज के मुताबिक वो मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद से जुड़े केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट में 12 मार्च को होने वाली सुनवाई के लिए आए हैं।इसके अलावा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर यौन शोषण आरोप के मामले में भी हाईकोर्ट में उन्हें जवाब दाखिल करना है। दोनों मामलों की पैरवी में वो आए हैं।

## ऊर्जा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईंधन भंडारण स्थलों पर हमलों के कारण तेहरान में वायु गुणवत्ता पर असर पड़ा है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह स्थिति अस्थायी है और इसे ईरान के लोगों की दीर्घकालिक समस्याओं से अलग संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

*₹ 10.99 lakh for e VITARA Delta. Battery EMI: ₹ 3.99/km (subject to financier terms). Taxes and statutory charges are extra. Visit dealership for full T&Cs. | *As certified by Kantar IMRB for an OEM platform for end-to-end usage as on November 28, 2025. | *543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. | *ADAS features are for driver assistance only. Driver is responsible for safe and attentive driving. | *Always wear your seatbelt. | *Mentioned ownership plan is for e VITARA Delta variant. Calculation is done assuming vehicle is running 60 km per day, excluding charging cost. Valid on retail sales for the e VITARA till 31st March '26, capped at 1 000 units of electricity (kWh) per customer or 1 Year from the purchase of the vehicle, whichever is earlier. Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an Insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years/1 00 000 km with an option of extending the same on payment basis to 5 years/1 40 000 km and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components.

**मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा,** आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, **उदयपुर कार्यालयः** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालयः-**राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908